▪ ज्येष्ठ कृष्णा - 2 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 284 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 14-05-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 रोहित और कोहली के लिए 2027 विश्व कप खेलने की संभावना कम : गावस्कर

6 पाकिस्तान में पनप रहे गृह युद्ध के हालात?

7 अभी मैं खुद को लेखक नहीं कहूंगी : सोनाली बेंद्रे

फर्स्ट टेक

केंद्र ने 23 सितंबर को आयुर्वेद दिवस घोषित किया

नयी दिल्ली, 13 मई (भाषा) केंद्र सरकार ने 23 सितंबर को आधिकारिक तौर पर आयुर्वेद दिवस घोषित किया है। राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से 23 मार्च, 2025 को अधिसूचित यह परिवर्तन धनतेरस पर आयुर्वेद दिवस मनाने की पूर्व प्रथा से एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है। धनतेरस चंद्रगणना के आधार पर मनाया जाता है। आयुष मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि आयुर्वेद दिवस को प्रतिवर्ष आयुर्वेद को वैज्ञानिक, साक्ष्य-आधारित और समग्र चिकित्सा प्रणाली के रूप में बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है, जो निवारक स्वास्थ्य देखभाल और कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। धनतेरस हिंदू माह कार्तिक (आमतौर पर अक्टूबर या नवंबर) में मनाया जाने वाला त्योहार है।

अंकारा में वार्ता के लिए पुतिन की प्रतीक्षा करूंगा : जेलेंस्की

कीव, 13 मई (एपी) यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने मंगलवार को कहा कि वह तीन साल से अधिक समय से चल रहे युद्ध के बारे में आमने-सामने बातचीत करने के लिए इस सप्ताह तुर्की की राजधानी में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का इंतजार करेंगे। पुतिन ने अभी तक यह नहीं बताया है कि वह वार्ता में शामिल होंगे या नहीं, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्ध रोकने के वाशिंगटन के प्रयासों के तहत दोनों पक्षों से वार्ता में शामिल होने का आग्रह किया है। जेलेंस्की ने कीव में संवाददाताओं से कहा कि वह वार्ता करने के लिए बृहस्पतिवार को अंकारा में होंगे। उन्होंने कहा कि वह तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन से मिलने की योजना बना रहे हैं और वे दोनों पुतिन के आने का इंतजार करेंगे। जेलेंस्की ने कहा कि यदि पुतिन बैठक के लिए इस्तांबुल को चुनते हैं, तो दोनों नेता वहां जाएंगे।

रूस ने रात में यूक्रेन पर सबसे छोटा हमला किया

कीव/एपी। यूक्रेनी वायु सेना ने मंगलवार को कहा कि रूस ने रात के समय यूक्रेन पर 10 शाहिद ड्रोन और झांसा देने वाले ड्रोन दागे जो इस साल रात में किया गया सबसे छोटा ड्रोन हमला है। यह तब किया गया जब दोनों देश तुर्किये में शांति वार्ता की तैयारी कर रहे हैं। रूसी सरकार ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को बृहस्पतिवार को इस्तांबुल में होने वाली वार्ता में व्यक्तिगत रूप से मिलने की चुनौती का सीधे तौर पर जवाब नहीं दिया है।

सूर्यास्त 14-05-2025	सूर्योदय 15-05-2025
6:26 बजे	5:43 बजे

BSE	NSE
81,148.22 (-1,281.68)	24,578.35 (-346.35)

सोना	चांदी
101,137 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	111,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

अपने-अपने दावे

हम भी विजयी वो भी विजयी,
दावे दोनों के हैं अपने।
वो भी खुश हैं हम भी ख़ुश हैं,
सुन-सुन कर कान लगे तपने।
पूछो अब तगड़ा कौन रहा,
सब खुद का नाम लगे जपने।
उजड़े आखिर में कौन यहां,
उनके या फिर अपने सपने?

ऑपरेशन सिंदूर की गूंज दुनिया भर में,

दुस्साहस करने पर मिट्टी में मिला देंगे पाकिस्तान को : प्रधानमंत्री मोदी

- **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार सुबह सवेरे आदमपुर वायु सेना स्टेशन पहुंचे और वहां मौजूद वायुयौद्धाओं तथा अन्य जवानों से बातचीत की।**
- **मोदी ने भारत की वायु रक्षा प्रणाली एस 400 के समक्ष जवानों को संबोधित कर पाकिस्तान के उस झूठ का भी पर्दाफाश कर दिया जिसमें इस प्रणाली को नष्ट करने का दावा किया गया था।**
- **यह नया भारत है। यह भारत शांति चाहता है लेकिन यदि मानवता पर हमला होता है तो यह भारत युद्ध के मोर्चे पर दुश्मन को मिट्टी में मिलाना भी जानता है।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली 13 मई (वार्ता) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि भारत शांति चाहता है लेकिन अगर उसकी ओर से किसी तरह का आतंकवादी या सैन्य दुस्साहस किया जाता है तो भारत उसे मिट्टी में मिलाने में कसर नहीं छोड़ेगा।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सीमाओं पर सैन्य कार्रवाई रोके जाने पर बनी सहमति के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार सुबह सवेरे आदमपुर वायु सेना स्टेशन पहुंचे और वहां मौजूद वायुयौद्धाओं तथा अन्य जवानों से बातचीत की। पाकिस्तान ने इस वायु सेना स्टेशन पर लड़ाकू विमानों तथा ड्रोन से असफल हमले का प्रयास किया था। श्री मोदी ने भारत की वायु रक्षा प्रणाली एस 400 के समक्ष जवानों को संबोधित कर पाकिस्तान के उस झूठ का भी पर्दाफाश कर दिया जिसमें इस प्रणाली को नष्ट करने का दावा किया गया था।

मोदी ने वायु योद्धाओं के निरंतर भारत माता की जयघोष के नारों के बीच उनकी जमकर सराहना की और कहा कि उनकी वीरता और गौरव की कहानी ऑपरेशन सिंदूर की गूंज अब दुनिया भर में सुनाई दे रही है। उन्होंने कहा , यह नया भारत है। यह भारत शांति चाहता है लेकिन यदि मानवता पर हमला होता है तो यह भारत युद्ध के मोर्चे पर दुश्मन को मिट्टी में मिलाना भी जानता है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सामान्य सैन्य अभियान नहीं था यह भारत की नीति, नीयत और निर्णायक क्षमता की त्रिवेणी है

प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवाद के विरुद्ध भारत की लक्ष्मण रेखा एकदम स्पष्ट है यदि अब कोई आतंकी हमला होगा तो भारत उसका पक्का जवाब देगा। उन्होंने कहा, एयर स्ट्राइक के समय सबने देखा है और आपरेशन सिंदूर अब भारत का न्यू नार्मल है। हमने तीन सूत्र तय कर दिये हैं । यदि भारत पर आतंकी हमला हुआ तो हम अपने तरीके और शर्तों पर तथा अपने समय पर जवाब देंगे । दूसरा भारत न्यूकलियर ब्लैकमेल नहीं सहेगा। भारत आतंकी सरपरस्त सरकार और आतंक के आकाओं को अलग अलग नहीं देखता और अब दुनिया भी भारत के इस नये रूप को देखते हुए आगे बढेगी।

उन्होंने कहा कि भारत माता की जय केवल उद्घोष नहीं है यह उन सैनिकों की कसक है जो मां भारती के लिए जान की बाजी लगा देती है, यह उस हर नागरिक की आवाज है जो देश के लिए कुछ करना चाहता है। यह मैदान में भी गूंजती है और मिशन में भी। उन्होंने कहा , जब हमारे वीर जय बोलते हैं तो दुश्मन के कलेजे कांप जाते हैं। जब फौज न्यूकलियर ब्लेकमेल की हवा निकाल देती है और भारत के ड्रोन तथा मिसाइल सनसनाती हुई दुश्मन के यहां जाती हैं तो दुश्मन को भी सुनाई देता है भारत माता की जय ।

मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सामान्य सैन्य अभियान नहीं था यह भारत की नीति, नीयत और निर्णायक क्षमता की त्रिवेणी है। उन्होंने कहा कि यह बुद्ध की भी धरती है और गुरू गोविंद सिंह की भी धरती है। धर्म की स्थापना के लिए सशस्त्र उठाना हमारी परंपरा है जब हमारी बहनों का सिंदूर छीना गया तो हमारी सेनाओं ने आतंकियों को उनके घर में घुसकर कुचलकर दिया। जो कायरों की तरह छिपकर आये थे लेकिन वे भूल गये कि उन्होंने जिसे ललकारा वह हिन्द की सेना है। आपने उन्हें सामने से हमला करके मारा है। उन्होंने कहा कि सौ से अधिक आतंकवादियों की मौत से आतंकवाद के आकाओं को समझ में आ गया है कि भारत की ओर नजर उठाने का अंजाम तबाही होगा। उन्होंने वायु योद्धाओं की सराहना करते हुए कहा कि जब-जब भारत के इस पराक्रम की चर्चा होगी, भारत के इतिहास की चर्चा होगी तो आपके अध्याय की भी चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि वह वीरों की इस धरती से वायु सेना, नौसेना , सेना और बीएसएफ के वीरों को सलाम करता हूं।

भारत ने किया पाकिस्तानी अधिकारी को निष्कासित

देश छोड़ने के लिए 24 घंटे का समय दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली, 13 मई (भाषा) भारत ने मंगलवार को कथित जासूसी में संलिप्तता के कारण पाकिस्तान उच्चायोग में कार्यरत एक पाकिस्तानी अधिकारी को निष्कासित कर दिया।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह अधिकारी भारत में अपने राजनयिक पद की गरिमा के अनुरूप आचरण नहीं कर रहा था, इसलिए उसे 24 घंटे के भीतर देश छोड़ने के लिए कहा गया है।

यह कार्रवाई दोनों देशों के बीच चार दिन के सैन्य टकराव के बाद बढ़े तनाव के बीच की गई।

भारत ने अधिकारी की गतिविधियों पर नयी दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायुक्त को एक आपत्तिपत्र भी जारी किया। हालांकि, विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तानी अधिकारी के खिलाफ लगाए गए आरोपों का विवरण नहीं दिया, लेकिन सूत्रों के अनुसार ये आरोप जासूसी के एक मामले से जुड़े हैं, जिसकी जांच पंजाब पुलिस कर रही है।

उच्चतम न्यायालय के 52वें मुख्य न्यायाधीश पद की

न्यायमूर्ति गवई आज लेंगे शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली, 13 मई (वार्ता) न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई बुधवार (14 मई) को उच्चतम न्यायालय के 52वें मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ लेंगे। सर्वोच्च न्यायालय के इतिहास में यह एक उल्लेखनीय मील का पत्थर माना जा रहा है, क्योंकि वह पूर्व मुख्य न्यायाधीश के जी बालकृष्णन के बाद अनुसूचित जाति समुदाय से न्यायपालिका में शीर्ष पद पर पहुँचने वाले दूसरे व्यक्ति हैं। उनकी मुख्य न्यायाधीश के तौर पर नियुक्ति निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना के आज सेवानिवृत्त होने के बाद हुई है।

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में मुठभेड़, तीन आतंकवादी मारे गए

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में मंगलवार को सुरक्षाबलों के साथ हुई मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के शीर्ष कमांडर शाहिद कुट्टे सहित तीन आतंकवादी मारे गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जिले के शुकरू केलर इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में मिली एक विशेष सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने वहां घेराबंदी की और तलाश अभियान शुरू किया। अधिकारियों के मुताबिक तलाश अभियान के दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलियां चलाईं जिसका सुरक्षा बलों ने माकूल जवाब दिया।उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गए। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मारे गए आतंकवादी लश्कर के थे। उन्होंने बताया कि दो की पहचान शाहिद कुट्टे और अदनान शफी के रूप में हुई।

ब्रीफिंग

भारतीय सेना के एक शीर्ष अधिकारी ने मंगलवार को कई देशों के रक्षा अताशे या उनके प्रतिनिधियों को ''ऑपरेशन सिंदूर'' के सफल संचालन'' के बारे में जानकारी दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रक्षा खुफिया एजेंसी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल डी एस राणा ने दिल्ली छावनी स्थित मानेकशॉ सेंटर में बंद कमरे में 'ब्रीफिंग' का आयोजन किया। सूत्रों ने बताया कि कई प्रमुख देशों के साथ इस्लामी देशों के रक्षा अताशे भी इस 'ब्रीफिंग' में शामिल हुए। इसमें रूस, स्वीडन, नेपाल, फिलीपीन, मिस्र तथा अन्य देशों के रक्षा अताशे (दूतावास का वह अधिकारी, जिसे विशेष दायित्व सौंपा जाता है) भी शामिल हुए। एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''रक्षा खुफिया एजेंसी (डीआईए) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल डी एस राणा ने 70 देशों के अताशे को 'ऑपरेशन सिंदूर' के सफल संचालन के बारे में जानकारी दी, जिसने भारत-पाकिस्तान संबंधों में नए मानदंड स्थापित किए हैं, और नए युग के युद्ध में सैन्य श्रेष्ठता के माध्यम से भारत की प्रदर्शित शक्ति और राष्ट्रीय संकल्प को उजागर किया है।''

सीबीएसई 12वीं नतीजे: लड़कियों ने मारी बाजी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 12वीं कक्षा के नतीजे मंगलवार को जारी हो गए, जिसमें लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया। पिछले साल की तुलना में इस साल 90 प्रतिशत से अधिक अंक पाने वाले छात्रों की संख्या में मामूली कमी आई है। बोर्ड के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

इस साल 88.39 प्रतिशत उम्मीदवार परीक्षा में सफल हुए हैं, जो पिछले साल के उत्तीर्ण प्रतिशत 87.98 प्रतिशत से थोड़ा अधिक है। परिणाम से पता चलता है कि 91.64 प्रतिशत लड़कियां परीक्षा में उत्तीर्ण हुईं जबकि 85.70 प्रतिशत लड़के परीक्षा में सफल रहे। 'ट्रांसजेंडर' उम्मीदवारों का इस बार उत्तीर्ण प्रतिशत शानदार रहा जो पिछले साल के 50 प्रतिशत से दोगुना रहा।

कुल 1,11,544 उम्मीदवारों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं, जबकि 24,867 उम्मीदवारों ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं।

पिछले वर्ष 12वीं कक्षा में 1.16 लाख छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक तथा 24,068 छात्रों ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए थे।

कर्नल सोफिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी

मंत्री विजय शाह ने गलती मानी

इंदौर/भोपाल, 13 मई (भाषा) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और मध्यप्रदेश सरकार में मंत्री विजय शाह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की जानकारी देने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में ''आपत्तिजनक'' और ''नफरत भरी'' टिप्पणी की, जिसके बाद एक नया राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया। शाह की इस टिप्पणी का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद जब उनकी कड़ी आलोचना होने लगी, तो उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि कर्नल सोफिया उनकी सगी बहन से भी ज्यादा सम्मानित हैं और अगर उनकी (शाह की) टिप्पणी से किसी को भी चोट पहुंची है, तो वह दस बार माफी मांगने को तैयार हैं।

कश्मीर, व्यापार और परमाणु संघर्ष की अटकलों पर

भारत ने ट्रंप के दावों का खंडन किया

- **विदेश मंत्रालय ने ट्रंप की इस टिप्पणी को भी खारिज कर दिया कि वाशिंगटन ने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष को समाप्त करने के लिए समझौता कराया था।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली, 13 मई (भाषा) भारत ने मंगलवार को कश्मीर मुद्दे पर मध्यस्थता की अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पेशकश, व्यापार पर जोर और पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई के संदर्भ में परमाणु संघर्ष से बचाव करने के उनके दावों पर पलटवार किया।

विदेश मंत्रालय ने ट्रंप की इस टिप्पणी को भी खारिज कर दिया कि वाशिंगटन ने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष को समाप्त करने के लिए समझौता कराया था।

ट्रंप द्वारा कश्मीर मुद्दे पर मध्यस्थता की पेशकश से जुड़े सवाल पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत का लंबे समय से रुख यह है कि कश्मीर मुद्दे को भारत और

पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय रूप से सुलझाया जाना चाहिए और इस रुख में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

जायसवाल ने कहा, ''हमारा लंबे समय से रुख रहा है कि भारत के केंद्र-शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर से संबंधित किसी भी मुद्दे को भारत और पाकिस्तान को द्विपक्षीय रूप से सुलझाना होगा। इस रुख में कोई बदलाव नहीं हुआ है।''

पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी

भारत ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ घोषित कूटनीतिक और आर्थिक प्रतिबंध अब भी प्रभावी हैं। इनमें सिंधु जल संधि का निलंबन भी शामिल है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत तब तक सिंधु जल संधि को लागू नहीं करेगा, जब तक पाकिस्तान आतंकवाद को समर्थन देना पूरी तरह बंद नहीं कर देता। उन्होंने कहा कि यह संधि सद्भावना और मित्रता की भावना में हुई थी, लेकिन पाकिस्तान ने सीमा-पार आतंकवाद को बढ़ावा देकर इन सिद्धांतों को ताक पर रख दिया।

सही मायने में सशक्तीकरण हाथ थामने से होता है, मुफ्त की रेवड़ी बांटने से नहीं : धनखड़

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि सही मायने में सशक्तीकरण किसी की मदद कर उसे समर्थ बनाने में है, न कि मुफ्त की रेवड़ियां या तोहफे बांटने से।

धनखड़ ने यह भी कहा कि जब महिलाएं आगे आती हैं तो संतुलित आर्थिक और सामाजिक विकास होता है। उन्होंने मेघालय के स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) के सदस्यों से बातचीत में कहा, ''किसी व्यक्ति को मुफ्त की रेवड़ियां देकर या तोहफे बांटकर सशक्त करना सही मायने में सशक्तीकरण नहीं है। सही मायने में सशक्तीकरण वह है जब आप उस व्यक्ति का हाथ थामते (मदद कर उसे समर्थ बनाते) हैं, ताकि वह खुद सशक्त हो जाए। इससे खुशी मिलती है, संतुष्टि मिलती है, आपको आंतरिक शक्ति मिलती है और आपको अपने परिवारों पर गर्व भी होता है।''

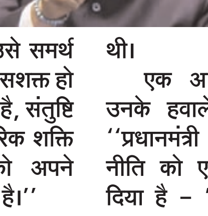

धनखड़ ने कहा कि पूर्वोत्तर देश का 'गहना' है। उन्होंने कहा कि 1990 के दशक में केंद्र सरकार ने 'लुक ईस्ट' नीति शुरू की थी।

एक आधिकारिक बयान में उनके हवाले से कहा गया है, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस नीति को एक अतिरिक्त आयाम दिया है - 'लुक ईस्ट' से 'एक्ट ईस्ट'। और इसे बहुत प्रभावी ढंग से अमल किया गया है।''

उपराष्ट्रपति ने 'लुक ईस्ट, एक्ट ईस्ट' नीति के तहत की गई प्रगति पर प्रकाश डालते हुए इस बात पर जोर दिया कि मेघालय में पर्यटन, खनन, आईटी और सेवाओं में अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने आर्थिक विकास और महिला सशक्तीकरण की दिशा में राज्य की उपलब्धियों की सराहना की तथा केंद्र एवं राज्य दोनों स्तरों पर दूरदर्शी नेतृत्व को इसका श्रेय दिया।

मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता

हैदराबाद के कई इलाकों में ड्रोन उड़ाने पर रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद पुलिस ने ड्रोन और अन्य उड़ने वाली वस्तुओं को उन क्षेत्रों में प्रतिबंधित कर दिया है जहां मिस वर्ल्ड 2025 की प्रतिभागी जाएंगी। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सी वी आनंद ने एक अधिसूचना में कहा कि रिमोट से नियंत्रित ड्रोन या पैरा-ग्लाइडर या रिमोट से नियंत्रित माइक्रो-लाइट एयरक्राफ्ट की गतिविधियों को निर्दिष्ट क्षेत्रों में एक विशिष्ट अवधि के लिए प्रतिबंधित किया गया है।

अधिसूचना के अनुसार, इसका उद्देश्य सभी संबंधित व्यक्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा किसी भी व्यक्ति को खतरे से बचाना है। यह आदेश 13 मई को चारमीनार और लाड बाजार, चौमहल्ला पैलेस, खिलवत और शाह-अली-बंदा, 18 मई को तेलंगाना पुलिस एकीकृत कमान नियंत्रण केंद्र, तेलंगाना सचिवालय और टैंक बंड, तथा दो जून को राजभवन में लागू होगा। मिस वर्ल्ड 2025 प्रतियोगिता 10 मई को हैदराबाद में एक शानदार समारोह के साथ शुरू हुई और 31 मई तक जारी रहेगी। तेलंगाना सरकार ने मिस वर्ल्ड आयोजन का लाभ उठाकर राज्य की वैश्विक छवि को निखारने तथा निवेश आकर्षित करने के लिए एक कार्य योजना तैयार की है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली प्रतिभागी राज्य भर के प्रमुख पर्यटक आकर्षण स्थलों का दौरा करेंगी। उनके कार्यक्रम में हैदराबाद में निज़ाम काल के विरासत स्थल और वारंगल में यूनेस्को द्वारा सूचीबद्ध रामप्पा मंदिर शामिल हैं।

भारत ने पाकिस्तान के साथ संघर्ष के दौरान दिखाई अपनी क्षमता और ताकत : जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कठुआ/ जम्मू/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को कहा कि पाकिस्तान के साथ हाल में हुए चार दिवसीय संघर्ष में भारत ने दुनिया के समक्ष अपनी क्षमता और ताकत का प्रदर्शन किया है। उन्होंने इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासनकाल में हुए विकास को दिया।

सिंह ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तानी ड्रोन के हमले से प्रभावित कठुआ के क्षेत्रों का दौरा किया। इस मौके पर उन निवासियों के लिए 600 'पारिवारिक बंकरों' और जिले में एक केंद्रीकृत, प्रौद्योगिकी-संचालित सायरन प्रणाली का वादा किया। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों ने सात मई को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमला किया। इस हमले के बाद अगले तीन दिनों तक दोनों देशों के बीच भीषण झड़पें हुईं, जिसके बाद दोनों देशों ने सैन्य कार्रवाई और गोलीबारी रोकने पर सहमति जताई। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री सिंह ने अपने उधमपुर लोकसभा क्षेत्र के हीरानगर सेक्टर में संवाददाताओं से कहा, ''मैं समझता हूं कि यह सब भारत के लिए दुनिया को साबित करने का अच्छा अवसर था कि वह अब कहां खड़ा है और हमारी क्षमताएं और ताकत क्या हैं।'' पाकिस्तान पर देश की सफलता के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित हीरानगर ने एस-400 मिसाइल प्रणाली की कार्रवाई देखी, जो मोदी के सत्ता संभालने के बाद ही देश में पहुंची। उन्होंने कहा, ''इस बार सीमावर्ती गांवों के लोगों का मनोबल बहुत ऊंचा था... 1971 और 1965 के युद्धों के दौरान, लोगों को खुद ही खाइयां खोदनी पड़ी थीं। इस बार, लोगों को भरोसा था कि इस तकनीक से चलने वाले युद्ध में, दुश्मन के हथियार उनके पास पहुंचने से पहले ही आसमान में नष्ट हो जाएंगे।''

सिंह ने कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को वापस लेना भारत की दृढ़ नीति और भाजपा के रुख की आधारशिला रही है। उन्होंने कहा, ''मोदी ने स्वयं दोहराया कि एकमात्र अधूरा एजेंडा यह है कि पीओके को जम्मू-कश्मीर और भारत का अभिन्न अंग कैसे बनाया जाए।''

सिंह ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत मजबूत हुआ है और रक्षा क्षेत्र में उसकी प्रमुख उपलब्धियां पिछले 10 वर्षों में आई हैं। उन्होंने कहा, ''पिछले 10 वर्षों में भारत ने जो भी क्षमताएं अर्जित की हैं, वे देश के काम आईं।''

मंत्री ने कहा कि कठुआ देश का पहला जिला है जहां निवासियों को सभी प्रकार की सुविधाओं से युक्त 2,000 आधुनिक बंकर उपलब्ध कराए गए हैं, जो लगभग एक कमरे वाले अपार्टमेंट की तरह हैं। उन्होंने कहा, ''सीमा पर रहने वाले लोगों ने इन बंकरों का इस्तेमाल किया और अपने गांवों से बाहर जाने से इनकार कर दिया। उनका कहना था कि वे इन बंकरों में ज़्यादा सहज और सुरक्षित हैं। आज मांग के चलते हम ऐसे 600 और बंकर बनाएंगे।''

संघर्ष विराम को बनाए रखा जाना चाहिए, लोग शांति चाहते हैं : उमर अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम पर बनी सहमति कायम रहनी चाहिए क्योंकि सीमावर्ती इलाकों के लोग शांति से रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा, ''हम सभी चाहते हैं कि संघर्ष विराम बरकरार रहे। यहां से दूर नोएडा और बंबई में बैठे टीवी चैनलों के कुछ एंकर ही संघर्ष विराम को पसंद नहीं करते।''

अब्दुल्ला ने कुपवाड़ा जिले के तंगधार इलाके में कहा, ''सीमाओं या नियंत्रण रेखा के पास रहने वाले लोग और जिन्होंने जम्मू और श्रीनगर में स्थिति देखी है, वे संघर्ष विराम चाहते हैं। यह अच्छी बात है। यह संघर्ष विराम बरकरार रहना चाहिए।'' मुख्यमंत्री उत्तरी कश्मीर जिले के गोलाबारी प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर रहे थे। जिला प्रशासन क्षति का आकलन करेगा और फिर जो भी मुआवजा देने की आवश्यकता होगी, हम उन्हें देंगे। सरकार लोगों के लिए व्यक्तिगत बंकर बनाने की नीति तैयार करेगी। उन्होंने कहा, ''सामुदायिक बंकर बनाए गए थे, लेकिन उनका लंबे समय तक उपयोग नहीं किया गया था। विगत वर्षों से कोई नया बंकर नहीं बना है। मैं जहां भी गया, लोगों ने कहा कि हमें व्यक्तिगत बंकर बनाने चाहिए।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''सरकार इस पर एक नीति तैयार करेगी। नियंत्रण रेखा तथा सीमा के नजदीक स्थित इन क्षेत्रों के लोगों के लिए एक योजना तैयार की जाएगी और फिर इसे केंद्र सरकार के समक्ष उठाया जाएगा।''

केंद्र को संघर्ष विराम पर लोगों के सवाल का जवाब देना चाहिए : मनीष सिसोदिया

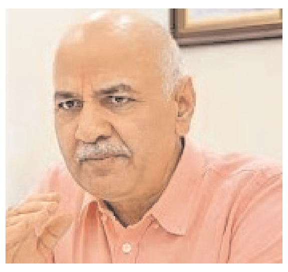

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को सरकार से यह स्पष्ट करने की मांग की कि ''अचानक संघर्ष विराम के फैसले'' के पीछे क्या वजह है।

हालांकि, दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत आतंकी ठिकानों पर हमला करने के लिए सशस्त्र बलों की प्रशंसा की। साथ ही उन्होंने आश्चर्य जताया कि जब लोग सरकार के साथ खड़े थे तो सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति की घोषणा क्यों की गई। सिसोदिया ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर के बाद हमारी सेना पाकिस्तान के दुस्साहस का मजबूती से जवाब दे रही थी। भारतीय सेना को बढ़त थी। सभी दल हमारी सरकार के साथ एकजुट थे। अचानक, संघर्ष विराम की घोषणा की गई। इस मोड़ पर, कई सवाल उठे। लोगों के मन में कई प्रश्न और संदेह पैदा हुए।''

उन्होंने कहा, ''जब प्रधानमंत्री ने कल राष्ट्र को संबोधित किया, तो देश को उम्मीद थी कि अचानक संघर्ष विराम की घोषणा पर वह कुछ प्रकाश डालेंगे।'' सिसोदिया ने कहा, ''अगर पाकिस्तान हमारे हवाई हमलों का जवाब देने में असमर्थ था और संघर्ष खत्म करने की भीख मांग रहा था तो सरकार ने पहलगाम हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों को भारत को सौंपने की मांग क्यों नहीं की?''

सोफिया कुरैशी पर अपमानजनक टिप्पणी करने वाले मप्र के मंत्री को तत्काल बर्खास्त किया जाए : खरगे

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को कहा कि भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के संदर्भ में ''अपमानजनक'' टिप्पणी करने वाले मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह को तत्काल बर्खास्त किया जाना चाहिए।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और मध्यप्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी को कथित तौर पर 'आतंकवादियों की बहन' करार दिया। उनकी इस टिप्पणी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने पर जब उनकी कड़ी आलोचना होने लगी तो उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि इसे अलग संदर्भ में ना देखा जाए क्योंकि 'हमारी बहनों' ने बहुत ताकत से सेना के साथ मिलकर पहलगाम हमले का बदला लिया है। खरगे ने पोस्ट किया, ''भाजपा की मध्य प्रदेश सरकार के एक मंत्री ने हमारी वीर बेटी कर्नल सोफिया क़ुरैशी के बारे में बेहद अपमानजनक, शर्मनाक और ओछी टिप्पणी की है। पहलगाम के आतंकी देश को बांटना चाहते थे, पर आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब देने में पूरे 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान देश एकजुट था।'' उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा-आरएसएस की मानसिकता महिला विरोधी रही है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''पहले पहलगाम में शहीद नौसेना ऑफ़िसर की पत्नी को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया, फिर विदेश सचिव विक्रम मिस्री की बेटी को तंग किया और अब भाजपा के मंत्री हमारी वीरांगना सोफिया क़ुरैशी के लिए ऐसी अभद्र टिप्पणी कर रहे हैं।''

मप्र सरकार के मंत्री ने कर्नल सोफिया पर की आपत्तिजनक टिप्पणी, बाद में दी सफाई

भोपाल/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और मध्यप्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की जानकारी देने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी की है। शाह ने कथित तौर पर उन्हें 'आतंकवादियों की बहन' करार दिया। उनकी इस टिप्पणी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने पर जब उनकी कड़ी आलोचना होने लगी तो उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि इसे अलग संदर्भ में ना देखा जाए क्योंकि 'हमारी बहनों' ने बहुत ताकत से सेना के साथ मिलकर पहलगाम हमले का बदला लिया है।

वायरल वीडियो सोमवार का बताया जा रहा है, जिसमें आदिम जाति कल्याण मंत्री शाह यह कहते हुए सुने जा रहे हैं, जिन्होंने हमारी बेटियों के सिंदूर उजाड़े थे, उन्हीं कटे-पिटे लोगों को उन्हीं की बहन भेजकर उनकी ऐसी-तैसी करवाई। शाह ने कहा, उन्होंने कपड़े उतार-उतार कर हमारे हिन्दुओं को मारा और मोदी जी ने उनकी बहन को उनकी ऐसी-तैसी करने के लिए हमारे जहाज से उनके घर भेजा। हालांकि, शाह ने पूरे वीडियो में किसी का नाम नहीं लिया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक शाह सोमवार को इंदौर के निकट महू के रामकुंडा गांव में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। अपने भाषण में शाह आगे यह कहते हुए सुने जा सकते हैं, अब मोदी जी कपड़े तो उतार नहीं सकते थे, इसलिए उनकी समाज की बहन को भेजा। तुमने हमारी बहनों को विधवा किया है तो तुम्हारे समाज की बहन पहुंचकर तुम्हें नंगा करके छोड़ेगी। देश का सम्मान...मान सम्मान...हमारी बहनों के सुहाग का बदला तुम्हारे समाज की बहन को पाकिस्तान भेजकर कोई ले सकता है तो...।

ईडी ने आंध्र प्रदेश शराब घोटाले में भारती सीमेंट के कार्यकारी निदेशक को गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश की पूर्ववर्ती युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) सरकार के दौरान कथित रूप से हुए 3,200 करोड़ रुपए के शराब घोटाले की जांच कर रहे राज्य पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) ने भारती सीमेंट प्राइवेट लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक बालाजी गोविंदप्पा को गिरफ्तार कर लिया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

गोविंदप्पा इस मामले के कई आरोपियों में से एक हैं और उन्हें पड़ोसी राज्य कर्नाटक के मैसूरु से पकड़ा गया। अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, ''गोविंदप्पा को आज मैसूरु से गिरफ्तार किया गया।'' इस संबंध में एक सूत्र ने बताया कि एसआईटी अधिकारियों ने तीन दिन पहले हैदराबाद में गोविंदप्पा के आवास पर छापा मारा था, जिसके बाद आज मंगलवार को उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित शराब घोटाले के संबंध में धनशोधन का एक मामला दर्ज किया था। ईडी का मामला राज्य पुलिस की आर्थिक अपराध सीआईडी द्वारा सितंबर 2024 में दर्ज की गई प्राथमिकी पर आधारित है। कथित शराब घोटाले के मुख्य आरोपी के. राजा शेखर रेड्डी की हालिया रिमांड रिपोर्ट में एसआईटी ने कई लोगों को नामजद किया है, जिन्होंने कथित तौर पर 2019 से 2024 के बीच अहम भूमिका निभाई थी।

केंद्र ने राज्यों से वन अधिकारों पर जागरूकता अभियान चलाने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा है कि वे वन अधिकार अधिनियम (एफआरए) पर एक जून से एक महीने तक जागरूकता अभियान चलाएं ताकि कानून के कार्यान्वयन में सुधार हो और आदिवासी समुदायों और अन्य पारंपरिक वनवासियों के बीच व्यापक भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

जनजातीय कार्य मंत्रालय ने अपने पत्र में कहा कि यह अभियान राज्य और जिला स्तर पर जिला एफआरए प्रकोष्ठों और परियोजना प्रबंधन इकाइयों के नेतृत्व में चलाया जाना चाहिए।

इसमें एफआरए को लागू करने में अनुभव रखने वाले गैर सरकारी संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों और समुदाय-आधारित संगठनों के साथ सहयोग करने का आह्वान किया गया। मंत्रालय के अनुसार, अभियान हितधारकों को उनके व्यक्तिगत और सामुदायिक वन अधिकारों, एफआरए प्रक्रिया में ग्राम सभाओं की भूमिका और दावे दायर करने की प्रक्रियाओं के बारे में जागरूक करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। अन्य सुझाई गई गतिविधियों में एफआरए भूमि अधिकारों (पट्टों) का वितरण, एफआरए लाभार्थियों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड और कृषि संबंधी जानकारी प्रदान करना, उनका आधार नामांकन, उन्हें पीएम-किसान जैसी योजनाओं से जोड़ना और लंबित दावों को निपटाने के लिए साप्ताहिक बैठकें आयोजित करना शामिल हैं।

मंत्रालय ने राज्य सरकारों से जिला अधिकारियों, कृषि, मत्स्य पालन, पंचायती राज जैसे संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर तुरंत योजना बनाने को कहा है। वन अधिकार अधिनियम, 2006, आदिवासियों और वन-आश्रित समुदायों के उस भूमि पर अधिकारों को मान्यता देता है जिस पर वे पीढ़ियों से रह रहे हैं और जिसकी रक्षा कर रहे हैं। हालांकि, इसके कार्यान्वयन में उल्लंघन के मामले सामने आए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने टीबी उन्मूलन अभियान पर बैठक की अध्यक्षता की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तपेदिक (टीबी) उन्मूलन अभियान की प्रगति की समीक्षा के लिए मंगलवार को एक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा, स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव और प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। भारत ने साल के अंत तक टीबी को खत्म करने का लक्ष्य रखा है।

राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के तहत, भारत ने रोग की उन्नत तकनीक से पहचान, नवीन नीतियों, निजी क्षेत्र की भागीदारी और रोगी-प्रथम दृष्टिकोण के साथ टीबी की उपचार प्रणाली को मजबूत किया है।

'आप' ने पाकिस्तान को 'आतंकवादी राष्ट्र' घोषित करने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) ने मंगलवार को केंद्र सरकार से मांग की कि वह पाकिस्तान को आतंकवादी राष्ट्र घोषित करने वाला प्रस्ताव पारित करने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाए।

'आप' के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, संसद का विशेष सत्र बुलाएं और हम पाकिस्तान को आतंकवादी राष्ट्र घोषित करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित करेंगे। वे आतंकवादियों को पनाह देते हैं और उनके ठिकाने वहां फलते-फूलते हैं। पूरे देश ने देखा है कि उनके सैन्य अधिकारी आतंकवादियों के जनाजे में शामिल होते हैं। हम ऐसे देश पर कैसे भरोसा कर सकते हैं? सिंह ने सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति जताने के लिए केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की आलोचना की और दावा किया कि ऐसा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में किया गया।

'आप' सांसद ने सवाल किया, हमारी सेना करारा जवाब दे रही थी, लेकिन तभी हमने संघर्ष-विराम की घोषणा कर दी। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने वार्ता में मध्यस्थता की और यहां तक कि व्यापार रोकने की धमकी भी दी-हम इसे कैसे स्वीकार कर सकते हैं? 22 अप्रैल को हमारे लोगों को मारने वाले आतंकवादी कहां हैं? सरकारी सूत्रों ने हालांकि इस दावे को खारिज कर दिया है कि बातचीत में व्यापार रोकने की चेतावनी दी गई थी। एक अधिकारी ने कहा, भारतीय और अमेरिकी नेताओं के बीच बातचीत के दौरान व्यापार का कोई जिक्र नहीं हुआ।

दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने भी अपनी चिंता जाहिर की और सवाल पूछा कि क्या न्याय हुआ है।

आतिशी ने 'एक्स' पर पोस्ट किए गए एक वीडियो संदेश में कहा, ऑपरेशन सिंदूर ने हमारे सशस्त्र बलों की बहादुरी को दिखाया। लेकिन 10 मई को ट्रंप की घोषणा के बाद, सरकार ने संघर्ष-विराम की पुष्टि की। देश जानना चाहता है-क्या पहलगाम हमले के दोषी आतंकवादियों को पकड़ लिया गया है? क्या सिंदूर का बदला ले लिया गया है?

दिल्ली हवाई अड्डे पर पाकिस्तानी कलाकार की पेंटिंग जब्त

नई दिल्ली/भाषा। सीमा शुल्क विभाग ने दिल्ली हवाई अड्डे पर एक पाकिस्तानी कलाकार की पेंटिंग जब्त की है, जिसे लंदन के रास्ते लाया गया था। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सीमा शुल्क विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर सामान की नियमित जांच के दौरान पेंटिंग जब्त की गई। अधिकारी ने कहा, इस महीने की शुरुआत में नियमित जांच के दौरान एक पेंटिंग पकड़ी गई थी। गहन जांच के बाद पता चला कि पेंटिंग एक पाकिस्तानी कलाकार ने बनाई थी और इसे लंदन के रास्ते भारत भेजा गया था। उन्होंने कहा कि पेंटिंग की कीमत 5.5 लाख रुपए बताई जा रही है और सीमा शुल्क विभाग ने इसे जब्त करने का फैसला किया है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब भारत ने पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर पाकिस्तान में निर्मित या वहां से निर्यात किए जाने वाले सभी सामान के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष पारगमन या आयात पर दो मई को प्रतिबंध लगाने की घोषणा की थी।

पंजाब के अमृतसर में जहरीली शराब पीने से 17 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/अमृतसर/भाषा। पंजाब में अमृतसर जिले के मजीठा इलाके में कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई और छह लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस की जांच में खुलासा हुआ कि नकली शराब बनाने के लिए इस्तेमाल 'मेथेनॉल' थोक में ऑनलाइन खरीदा गया था।

'मेथनॉल' एक हल्का, रंगहीन कार्बनिक रासायनिक यौगिक है, जिसे अकसर अवैध रूप से मादक पेय पदार्थों में 'इथेनॉल' के सस्ते विकल्प के रूप में मिलाया जाता है। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में अधिकतर लोग दिहाड़ी मजदूर हैं। उन्होंने कहा कि सोमवार रात जहरीली शराब पीने से भंगली, पातालपुरी, मरारी कलां और थेरेवाल के गांवों में लोगों की मौत की सूचना है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि मजीठा क्षेत्र के गांवों में निर्दोष ग्रामीणों की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''ये मौत नहीं, बल्कि हत्याएं हैं।'' पंजाब में विपक्षी दलों ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधा और उस पर शराब माफिया को नियंत्रित करने में ''विफल'' रहने का आरोप लगाया। उन्होंने मान और आबकारी मंत्री हरपाल सिंह चीमा के इस्तीफे की भी मांग की। इस बीच, अमृतसर जिला प्रशासन ने कई मेडिकल टीम तैनात की हैं जो प्रभावित गांवों में घर-घर जाकर उन लोगों की जांच कर रही हैं जिन्होंने संभवतः नकली शराब पी थी। अमृतसर की उपायुक्त साक्षी साहनी ने कहा कि मृतकों में अधिकतर लोग दिहाड़ी मजदूर थे। राज्य में एक साल से भी कम समय में जहरीली शराब के सेवन से हुई मौत का यह दूसरा मामला है। मार्च 2024 में संगरूर जिले में जहरीली शराब के सेवन से 20 लोगों की जान चली गई थी। 2020 में तरनतारन, अमृतसर और बटाला में जहरीली शराब पीने के कारण कुल 120 लोगों की मौत हुई थी।

पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने कहा कि मजीठा में पुलिस उपाधीक्षक और थाना प्रभारी को लापरवाही के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। यादव ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, ''मजीठा में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना में जहरीली शराब पीने के कारण हुई मौतों के बाद पंजाब पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की है। नकली शराब बनाने वाले रैकेट के सरगना सहित नौ लोगों और कई स्थानीय वितरकों को अवैध शराब के कारोबार के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है।'' उन्होंने कहा, ''मेथेनॉल को ऑनलाइन खरीदा गया था और इसका इस्तेमाल नकली शराब बनाने में किया गया। पूरी कार्यप्रणाली का पता लगाने और इसमें शामिल सभी लोगों को न्याय के कठघरे में लाने के लिए जांच जारी है।''

सरगना समेत 10 गिरफ्तार, मजीठा के डीएसपी, एसएचओ निलंबित

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के अमृतसर जिले में जहरीली शराब पीने से कम से कम 21 लोगों की हुई मौत मामले में 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह घटना अमृतसर के मजीठा जिले में हुई है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने यहां संवाददाताओं को बताया कि पुलिस उपाधीक्षक (मजीठा) अमोलक सिंह और मजीठा थाने के प्रभारी उपनिरीक्षक अवतार सिंह को उनके आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन में ''घोर लापरवाही'' के लिए निलंबित कर दिया गया है, जिसके परिणामस्वरूप यह दुखद घटना हुई। उन्होंने कहा कि आरोपी पुलिस कर्मियों के खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।

इंदौर में 40 लाख रुपए के नकली नोट के साथ दो लोग गिरफ्तार

इंदौर/भाषा। इंदौर में पुलिस ने 40 लाख रुपए के नकली नोट के साथ मंगलवार को दो लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त रामसनेही मिश्र ने संवाददाताओं को बताया कि आरोपियों की पहचान प्रथमेश येवतकर (22) और दीपक कौशल (28) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि येवतकर महाराष्ट्र के जलगांव जिले का रहने वाला है, जबकि कौशल इंदौर जिले का निवासी है।

मिश्रा ने बताया कि दोनों आरोपियों के कब्जे से 8,000 रुपए के असली नोट और 40 लाख रुपए के नकली नोट बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि नकली नोट 500-500 रुपए की शक्ल में हैं। मिश्रा ने बताया कि आरोपी सोशल मीडिया पर लोगों से संपर्क करते थे और उन्हें एक लाख रुपए के बदले चार लाख रुपए के नोट देने का लालच देकर अपने जाल में फंसाते थे। उन्होंने बताया कि आरोपियों के कब्जे से बरामद नकली नोटों पर महात्मा गांधी की तस्वीर छपी है और इन नोटों पर 'मनोरंजन बैंक ऑफ इंडिया' और अंग्रेजी में 'फुल ऑफ फन' भी छपा है। उन्होंने बताया कि ये नोट इतने करीने से तैयार किए गए हैं कि विवरण को ध्यान से नहीं देखने पर कोई भी व्यक्ति धोखा खा सकता है।

समारोह — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के तिरुवेट्टियूर में मंगलवार को आयोजित एक सरकारी समारोह में 1,500 लाभार्थियों को घर के भूखंड वितरित करते हुए उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन। इस मौके पर मंत्री के.के.एस.एस.आर. रामचन्द्रन, बी.के. शेखरबाबू, मेट्रोपॉलिटन चेन्नई कॉर्पोरेशन की मेयर आर. प्रिया, संसद सदस्य डॉ. कलानिधि वीरासामी, विधान सभा सदस्य एस. सुदर्शनम, पी. थायकम कवि, आरडी शेखर, डॉ. ना. एज़िलान, आर. मूर्ति, जे जे एबेनेज़र आदि गणमान्य उपस्थित थे।

वनभ्रमण — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने 13 मई को थेप्पक्कड़ हाथी शिविर, नीलगिरी में हाथियों को गन्ना वितरित किया। यहां उन्होंने अनेक लाभकारी योजनाओं का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में सांसद ए राजा, सरकारी मुख्य सचेतक का. रामचन्द्रन, अपर मुख्य सचिव पर्यावरण जलवायु परिवर्तन एवं वन सुप्रिया चागु, मुख्य नीलगिरी जिला प्रशासक लक्ष्मी भाव्या, मुख्य वन संरक्षक और विभाग प्रमुख श्रीनिवास रेड्डी सहित अनेक अधिकारी उपस्थित थे।

पोलाची यौन उत्पीड़न मामला : तमिलनाडु महिला अदालत ने नौ दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। पोलाची यौन उत्पीड़न एवं जबरन वसूली के सनसनीखेज मामले में गिरफ्तार सभी नौ लोगों को मामले के सामने आने के छह साल बाद मंगलवार को यहां एक महिला अदालत ने दोषी ठहराया और मौत तक आजीवन कारावास'' की सजा सुनाई। न्यायाधीश आर नंदिनी देवी ने सजा सुनाते हुए आठ पीड़िताओं को 85 लाख रुपये का मुआवजा दिए जाने का आदेश दिया।

आरोपियों रिश्वंथ उर्फ एन. सबरीराजन, के. थिरुनावुकारसु , एम. सतीश, टी. वसंतकुमार, आर. मणिवन्नन उर्फ मणि, पी. बाबू उर्फ 'बाइक' बाबू, के. अरुलानंथम , टी. हारोनिमस पॉल और एम. अरुणकुमार को कड़ी सुरक्षा के बीच सेलम केंद्रीय कारागार से अदालत लाया गया। इन सभी की उम्र 30 से 39 वर्ष के बीच है । अरुलानंथम 'ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम' (अन्नाद्रमुक) का पूर्व पदाधिकारी है। उसे अपराध में संलिप्तता के कारण पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था।

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के विशेष लोक अभियोजक सुरेंद्र मोहन ने संवाददाताओं से कहा कि सभी नौ आरोपियों पर तत्कालीन भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं 376 डी (सामूहिक बलात्कार) एवं 376 (2) (एन) (एक ही महिला से बार-बार बलात्कार) के तहत आरोप लगाए गए थे और अदालत ने उन्हें दोषी ठहराया तथा उन्हें मौत तक ''आजीवन कारावास'' की सजा दी, जैसा कि सीबीआई ने अनुरोध किया था। इस मामले की जांच सीबीआई ने की थी। मामले की गूंज तमिलनाडु विधानसभा में भी सुनाई दी थी। उन्होंने बताया कि दोषी व्यक्तियों को आजीवन कारावास की एक से पांच तक अलग-अलग सजा सुनाई गईं। थिरुनावुकारसु को आजीवन कारावास की सबसे अधिक पांच सजा सुनाई गईं।

अदालत ने आरोपियों को तीन से 10 साल तक के कारावास की अन्य अलग-अलग सजा भी सुनाई। इसके अलावा, न्यायाधीश ने नौ लोगों पर कुल 1.50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। कोयंबटूर की महिला अदालत की विशेष लोक अभियोजक जिशा के अनुसार, इस संवेदनशील मामले में एक भी गवाह नहीं मुकरा और पीड़िताओं की पहचान गुप्त रखी गई। मुकदमे के दौरान लगभग आठ पीड़िताओं ने गवाही दी थी। उन्होंने कहा, ''महिला अदालत ने पोलाची मामले में फैसला सुनाया है जो पिछले छह साल से एक संवेदनशील मुद्दा रहा है। अदालत ने सभी नौ आरोपियों को दोषी पाया।'' सभी आरोपियों पर 2016 से 2018 के बीच हुई घटनाओं को लेकर ब्लैकमेल, आपराधिक साजिश, यौन उत्पीड़न, बलात्कार, सामूहिक बलात्कार और जबरन वसूली समेत कई आरोप लगाए गए थे। अधिकतर पीड़िताएं कॉलेज छात्राएं थीं और यह घटना 2019 में तब सामने आई जब एक पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। गिरफ्तार लोगों पर अपने कुछ कृत्यों के वीडियो बनाने का भी आरोप लगाया गया। राज्य की राजधानी चेन्नई से लगभग 550 किलोमीटर दूर पश्चिमी तमिलनाडु के इस शहर में हुई इस घटना से राज्य में आक्रोश फैल गया था। शुरुआत में मामले की जांच स्थानीय पुलिस ने की लेकिन बाद में इसे अपराध जांच विभाग की अपराध शाखा (सीबी-सीआईडी) को सौंप दिया गया। मामले को 2019 में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दिया गया। मोहन ने संवाददाताओं को बताया कि एजेंसी ने मौत तक आजीवन कारावास की ''सर्वाधिक सजा'' दिए जाने का अनुरोध किया था। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि दोषी व्यक्तियों ने अपनी कम उम्र और बुजुर्ग माता-पिता सहित अन्य आधारों पर नरमी बरते जाने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा कि अभियोजन पक्ष ने कुल 48 गवाहों से पूछताछ की और उनमें से कोई भी अपने बयान से पलटा नहीं। इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य ने आरोपों को साबित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई क्योंकि वे वैज्ञानिक आधार पर ''पुष्ट'' थे। उन्होंने कहा, ''यह एक स्वागत योग्य फैसला है। सीबीआई के प्रयास व्यर्थ नहीं गए। यह एक न्यायोचित फैसला है।'' इस मामले में कुल आठ अलग-अलग मामलों को एक साथ जोड़ा गया।

मुख्यमंत्री, अन्नाद्रमुक ने पोलाची मामले में अदालत के फैसले की सराहना की

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन और मुख्य विपक्षी दल 'ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम' (अन्नाद्रमुक) ने पोलाची यौन उत्पीड़न और जबरन वसूली मामले में नौ लोगों को मृत्यु तक आजीवन कारावास की सजा सुनाए जाने के स्थानीय अदालत के फैसले का मंगलवार को स्वागत किया। कोयंबटूर महिला अदालत ने नौ लोगों को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई और आदेश दिया कि पीड़ित महिलाओं को 85 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए।

मुख्यमंत्री ने फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ''अन्नाद्रमुक के पदाधिकारी समेत दुष्ट अपराधियों द्वारा किए गए अत्याचारों के लिए न्याय मिल गया है।'' दोषी ठहराए गए नौ लोगों में अन्नाद्रमुक का एक पूर्व पदाधिकारी भी शामिल है। गिरफ्तारी के बाद उसे पार्टी से निकाल दिया गया था। सोशल मीडिया मंच पर एक पोस्ट में स्टालिन ने कहा, ''अन्नाद्रमुक में जिन लोगों ने दोषियों को बचाने की कोशिश की, उन्हें शर्म आनी चाहिए।'' फैसले की सराहना करते हुए अन्नाद्रमुक ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री और ई. पलानीस्वामी के नेतृत्व वाली सरकार ने पोलाची यौन उत्पीड़न मामले को निष्पक्ष जांच के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दिया था और आज उचित न्याय मिला है। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) पर इस मामले में राजनीति करने का आरोप लगाते हुए अन्नाद्रमुक ने 'एक्स' पर कहा कि सरकार ने अन्ना विश्वविद्यालय की उस छात्रा का विवरण लीक किया है, जिसका पिछले वर्ष विश्वविद्यालय परिसर में यौन उत्पीड़न हुआ था। विपक्षी पार्टी ने पूछा, ''हमने छात्रा को न्याय दिलाने के लिए सीबीआई जांच की मांग की थी लेकिन स्टालिन मॉडल वाली द्रमुक सरकार ने इसका विरोध किया। द्रमुक किसे बचाने की कोशिश कर रही है।'' अभिनेता एवं राजनीतिज्ञ और टीवीके नेता विजय ने भी फैसले का स्वागत किया और कहा कि यह फैसला पीड़ितों को सांत्वना देगा, जिन्होंने साहस के साथ मामले का सामना किया और यह सुनिश्चित किया कि अपराधियों को सजा मिले। विजय ने मांग की कि महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न या हमले के मामलों की शीघ्र सुनवाई के लिए त्वरित अदालतें स्थापित की जानी चाहिए और 90 दिन के भीतर फैसला सुनाया जाना चाहिए।

ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक वूमंस एसोसिएशन' (एआईडीडब्ल्यूए) की राज्य समिति की सदस्य एस. राजलक्ष्मी और मार्क्सवादी कम्यूनिस्ट पार्टी (माकपा) की पुडुचेरी इकाई के अलावा अन्नाद्रमुक से निष्कासित नेता वी.के शशिकला ने महिला अदालत के फैसले की सराहना की।

मुलाकात — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पांडिचेरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पी. प्रकाश बाबू और अध्ययन निदेशक प्रो. के. थारानिक्करसु ने मंगलवार को विधान सभा में पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन. रंगासामी से मुलाकात की और भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में माहे में एक स्थायी पांडिचेरी विश्वविद्यालय सामुदायिक कॉलेज परिसर के लिए भूमि के आवंटन और यानम में पांडिचेरी विश्वविद्यालय सामुदायिक कॉलेज की स्थापना के लिए पुडुचेरी सरकार का औपचारिक रूप से समर्थन मांगा। इस पहल का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप इन भौगोलिक क्षेत्रों में कौशल-आधारित उच्च शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण तक पहुंच बढ़ाना है।

सेलम में पर्यटकों से भरी वैन खाई में गिरी, कई की हालत गंभीर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। तमिलनाडु के सेलम जिले में अत्तूर के पास सेलम-चेन्नई राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें पांडिचेरी से केरल के अलाप्पुझा जा रही एक पर्यटक वैन खाई में गिर गई। इस वैन में एक ही परिवार के कई लोग सवार थे। ये सभी गर्मियों की छुट्टियां मनाने के लिए यात्रा पर निकले थे। हादसे में कई यात्री घायल हो गए, जिन्हें तत्काल इलाज के लिए अत्तूर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। बस में 20 से ज्यादा लोग सवार थे।

प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस के अनुसार, यह घटना उस समय हुई जब वैन के चालक अब्दुल हमीद ने सड़क पर एक दोपहिया वाहन की टक्कर से बचने के लिए अचानक वाहन मोड़ा। इस दौरान चालक ने वैन पर नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण वाहन सड़क किनारे खाई में जा गिरी और पलट गई। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और राहगीरों ने राहत कार्य शुरू किया और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। अत्तूर सरकारी अस्पताल में घायलों का इलाज जारी है। कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं, जबकि कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। अत्तूर राजस्व मंडल अधिकारी प्रियदर्शिनी ने अस्पताल पहुंचकर घायलों से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने प्रशासन की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

अत्तूर ग्रामीण पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में चालक की लापरवाही और सड़क पर चल रहे निर्माण कार्यों को हादसे का कारण माना जा रहा है। पुलिस ने चालक अब्दुल हमीद के खिलाफ मामला दर्ज किया है और दोपहिया वाहन चालक की तलाश कर रही है। साथ ही सड़क पर निर्माण कार्य की स्थिति और सुरक्षा उपायों की भी जांच की जा रही है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। वहीं बीते 6 मई तमिलनाडु के शिवगंगा जिले के कराईकुडी में सेनजई थेनारू ब्रिज के पास मंगलवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की जान चली गई थी, जबकि 10 से अधिक लोग घायल हो गए। यह हादसा एक सरकारी यात्री बस और एक निजी वैन के बीच आमने-सामने की टक्कर के कारण हुआ था।

कन्नूर से पुलिस ने दो स्टील बम बरामद किए

कन्नूर/भाषा। उत्तरी केरल के कन्नूर जिले में पनुर के निकट मुलियाथोड में पुलिस ने मंगलवार को दो संदिग्ध स्टील बम बरामद किए। ये संदिग्ध बम उसी इलाके से बरामद किए गए जहां एक साल पहले देशी विस्फोटक बनाने के दौरान धमाका हो गया था और इस धमाके में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया था। पनुर थाने के एक अधिकारी ने बताया कि सुबह भूमि के स्वामी को कथित विस्फोटकों के बारे में सूचना मिली और तुरंत बम निरोधक दस्ते को मौके पर भेजा गया। भूस्वामी ने बताया कि संदिग्ध बमों को उसके भाई ने तब देखा जब वह कुछ श्रमिकों के साथ नारियल तोड़ने और वहां खेत की जमीन को साफ करने के लिए गया था।

निरीक्षण — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में मंगलवार को तमिलनाडु शहरी पर्यावरण विकास बोर्ड द्वारा निर्मित मीनमपाल शिवराज नगर परियोजना क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग के मंत्री टी. मो. अनपरासन। इसका उद्घाटन शीघ्र ही मुख्यमंत्री के हाथों से किया जाएगा। इस मौके पर बोर्ड के निदेशक अंशुल मिश्रा, संयुक्त प्रबंध निदेशक डॉ. के विजयकार्तिकियन, विधायक आरडी शेखर सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सर्वदलीय बैठक होने पर ट्रंप के दावों पर सरकार से करेंगे सवाल : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को कहा कि सर्वदलीय बैठक बुलाए जाने पर उसमें विपक्ष अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उन दावों के संबंध में स0रकार से सवाल करेगा कि उनके प्रशासन ने भारत और पाकिस्तान के बीच 'संघर्षविराम'' कराने में मदद की। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि वह सरकार से ''संघर्षविराम'' सहित भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के नवीनतम घटनाक्रम पर चर्चा करने के लिए जल्द ही एक सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह करेंगे।

उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''ट्रंप श्रेय लेते हुए दावे कर रहे हैं। ये लोग (प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार) कुछ नहीं कह रहे हैं। यह एक संवेदनशील मामला है। जब सर्वदलीय बैठक बुलाई जाएगी, तो हम चर्चा करेंगे कि क्या मामला है, क्या हुआ और टेलीफोन पर क्या बातचीत हुई? इन सभी चीजों पर सवाल पूछेंगे।'' यह पूछे जाने पर क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ट्रंप की 'मध्यस्थता' के लिए तैयार हो गए हैं, खरगे कहा, मेरे लिए अभी इस बारे में बोलना सही नहीं होगा। आज हमारी पार्टी की बैठक है। मैं उसके लिए जा रहा हूं। मैं (केंद्र) से सर्वदलीय बैठक बुलाने के लिए कहूंगा। देखते हैं, वे क्या करेंगे। भारत सरकार के सूत्रों का कहना है कि भारत और पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच बातचीत के बाद सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनी और इसमें कोई तीसरा पक्ष शामिल नहीं था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि उन्होंने दोनों देशों के साथ व्यापार रोकने की चेतावनी देकर नई दिल्ली और इस्लामाबाद पर संघर्ष रोकने के लिए दबाव डाला।

भाजपा सशस्त्र बलों के सम्मान में राज्य भर में निकालेगी 'तिरंगा यात्रा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर अशोक ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता का जश्न मनाने और भारतीय सशस्त्र बलों के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए पूरे राज्य में 'तिरंगा यात्रा' निकालेगी।

उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों के लोगों का इस यात्रा में भाग लेने के लिए स्वागत है और इस यात्रा में किसी भी पार्टी का प्रतीक नहीं होगा।

अशोक ने कहा, हमारे सैनिकों के साथ खड़ा होना हर भारतीय का कर्तव्य है। इस उद्देश्य से, भाजपा 15 मई को बेंगलूरु और अन्य प्रमुख शहरों में तिरंगा यात्रा निकालेगी। बेंगलूरु में, यात्रा शिरुरु पार्क से मल्लेश्वरम में संपीगे रोड पर 18 क्रॉस क्षेत्र तक जाएगी, जिसमें 5,000 से अधिक लोगों के भाग लेने की उम्मीद है। कोई पार्टी का झंडा नहीं होगा, केवल राष्ट्रीय ध्वज होगा और सभी का स्वागत है।

उन्होंने पत्रकारों से कहा कि यह यात्रा 16 और 17 मई को जिला केंद्रों में तथा 18 से 23 मई तक तालुका केंद्रों में आयोजित की जाएगी। भाजपा नेता ने दावा किया, हम अपने सैनिकों के समर्थन में सभी स्थानों पर बड़े पैमाने पर जन भागीदारी की उम्मीद करते हैं।

भारतीय सशस्त्र बलों ने दिखाया है कि जब भारतीय महिलाओं के सिंदूर को छुआ जाता है तो क्या होता है। 100 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया गया है, प्रशिक्षण शिविरों को नष्ट कर दिया गया और पाकिस्तान को संघर्षविराम के लिए विनती करने पर मजबूर होना पड़ा।

अशोक ने कांग्रेस नेताओं से विभाजनकारी बयानबाजी से बचने का आग्रह करते हुए कहा कि उन्होंने (कांग्रेस नेताओं ने) 'ऑपरेशन सिंदूर' से पहले शांति का आह्वान किया था लेकिन अब सवाल उठा रहे हैं कि संघर्षविराम के बाद अभियान क्यों बंद कर दिया गया। उन्होंने कहा, वे (कांग्रेस) संसद सत्र की मांग करते हैं, लेकिन यह समय नहीं है। हमारे सैनिकों ने पहले ही अपनी कार्रवाई का सबूत दे दिया है, इसलिए अब और सबूत नहीं मांगे जाने चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को वापस लेने और सिंधु जल संधि की समीक्षा करने के बारे में स्पष्ट संदेश दिया है। अशोक ने जोर देकर कहा कि कांग्रेस को राजनीति करने के बजाय सशस्त्र बलों का समर्थन करना चाहिए।

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

सार्वजनिक सूचना

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड प्रतिनियुक्ति के आधार पर प्रशासनिक संवर्ग के अनंर्गत संयुक्त सचिव के पद को भरने के लिए पात्र उम्मीदवारों से आनलाइन आवेदन आमंत्रित करता हैः-

पद कोड	पदनाम	पदों की संख्या	प्रतिनियुक्ति का सामान्य कार्यकाल (वर्षो में)	तैनाती का स्थान
सं स/01/25	संयुक्त सचिव	01	03	बोर्ड के किसी भी कार्यालय में

पद (पदों) का विवरण, पात्रता मानदंड, अनुभव, आयु सीमा, आदि और अन्य निबंधन एवं शर्तें शीघ्र ही बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट : www.cbse.nic.in पर उपलबध कर दी जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध आनलाइन आवेदन पत्र भरने से पहले विस्तृत विज्ञापन देखें और उसे ध्यान से पढें। आनलाइन आवेदन के लिए समय सारमी निम्मानुसार होगीः-

आरंभिक तिथि	08/05/2025
अंतिम तिथि	29/05/2025

ह/-
संयुक्त सचिव (प्रशा. एवं विधि)

CBC 21107/12/0001/2526

दिलावर 24 को बारां में करेंगे जनसुनवाई

बारां। राजस्थान के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर 24 मई को बारां के जिला परिषद सभागार में खुली 'जन-सुनवाई' करेंगे। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजवीर सिंह चौधरी ने बताया कि इस जनसुनवाई का मुख्य उद्देश्य विभाग के कार्यों पर आम जनता से सीधे प्रतिक्रिया प्राप्त करना है। उन्होंने बताया कि खुली सुनवाई में भाग लेने वाले अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन 22 मई तक जिला शिक्षा अधिकारी, संस्कृत शिक्षा अधिकारी और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद के कार्यालयों में जमा करा दें। जो नागरिक निर्धारित तिथि तक आवेदन जमा नहीं करा पाते हैं, उनकी प्रतिक्रिया भी सुनवाई के अंत में सुनी जाएगी। इस जनसुनवाई में पंचायती राज विभाग के जिला और ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों के साथ-साथ शिक्षा, पेयजल, चिकित्सा, विद्युत, सार्वजनिक निर्माण विभाग, पुलिस, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग और राजस्व विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

सीमावर्ती जिलों में स्कूल कॉलेज खुले

जयपुर। राजस्थान के गंगानगर और बीकानेर सहित अधिकतर सीमावर्ती जिलों में स्कूल-कॉलेज मंगलवार से खुल गए तथा जनजीवन पटरी पर लौट आया है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के साथ बढ़ते सैन्य तनाव के बीच राजस्थान के अनेक सीमावर्ती जिलों में स्कूल कॉलेज व अन्य शिक्षण संस्थान कई दिन से एहतियातन बंद थे। हालांकि अब भारत व पाकिस्तान के बीच घोषित संघर्ष विराम के बाद हालात सामान्य हो रहे हैं और प्रशासन ने पाबंदियों में ढील देनी शुरू कर दी है। गंगानगर, जोधपुर और बीकानेर में जिला प्रशासन ने शैक्षणिक गतिविधियां बंद रखने संबंधी आदेश वापस ले लिया है। गंगानगर प्रशासन के अनुसार, 'जिले के समस्त प्रकार के शैक्षणिक संस्थान 13 मई से नियमित रूप से शैक्षणिक गतिविधियाँ संचालित कर सकेंगे। इसके साथ ही शाम 7 बजे से सूर्योदय तक बाजार बंद करने सहित अन्य निषेधात्मक आदेश तुरंत प्रभाव से वापस ले लिए गए हैं।' जिला प्रशासन की ओर से आमजन से यह अपील की गई है कि वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सतर्क एवं सुरक्षित रहें। सीमावर्ती जिलों में अब कोई पूर्व निर्धारित 'ब्लैक आउट' नहीं है, हालांकि लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है।

राजस्थान के कई इलाकों में आंधी और बारिश

जयपुर। पश्चिमी विक्षोभ के असर से बीते चौबीस घंटे में राजस्थान के अनेक इलाकों में आंधी चली तथा बारिश हुई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, इस दौरान सीकर जिले में धूल भरी आंधी आई जबकि तथा राज्य में कहीं-कहीं बादलों की गरज के साथ हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गई। सबसे अधिक, 37 मिलीमीटर बारिश सीकर में हुई। राज्य में सर्वाधिक अधिकतम तापमान बीकानेर में 42.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम केंद्र के अनुसार, 13 मई से पश्चिमी राजस्थान के कुछ भागों में आंधी-बारिश की गतिविधियों में कमी होने तथा तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस बढ़ोतरी होने की संभावना है। वहीं जोधपुर, बीकानेर संभाग के सीमावर्ती क्षेत्रों में 14 मई से अधिकतम तापमान 44-45 डिग्री दर्ज होने व कहीं-कहीं 'लू' का नया दौर शुरू होने की संभावना है।

युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर दे रही राज्य सरकार : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बजट की प्रत्येक घोषणा को पूरा करने के लिए अधिकारी टाइमलाइन बनाते हुए काम करें। अधिकारी उसी तय सीमा में काम को पूरा करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने 2047 तक विकसित राजस्थान के संकल्प को ध्यान में रखते हुए अपने प्रत्येक बजट में राज्य के चहुंमुखी विकास के लिए विभिन्न प्रावधान किए हैं। हम प्रदेश के युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर देते हुए उन्हें आत्मनिर्भर, सशक्त एवं खुशहाल बनाने के लिए निरंतर काम कर रहे हैं।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर वर्ष 2025-26 की बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में मुख्यमंत्री ने विभिन्न घोषणाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बजटीय घोषणाओं की प्रगति का नियमित फॉलोअप सुनिश्चित कर रही है, जिससे जमीनी स्तर पर इन योजनाओं का लाभ आखिरी व्यक्ति तक पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि राज्य के युवाओं को रोजगार मिले। इस दिशा में लगभग 1 लाख 88 हजार सरकारी पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों में जनकल्याणकारी योजनाओं की सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण पहुंच सुनिश्चित कर रही है। इसी क्रम में शीघ्र ही वन विभाग में विभिन्न कार्मिकों, पटवारी, स्कूल शिक्षक तथा कांस्टेबल के पदों पर भर्ती की जाएगी। कार्मिक विभाग द्वारा इस संबंध में अग्रिम कार्यवाही प्रारंभ की जा चुकी है।

शर्मा ने कहा कि चिकित्सा महाविद्यालयों सहित सभी चिकित्सा संस्थानों में बेहतर प्रशासनिक प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए हॉस्पिटल मैनेजर का पद सृजित किया जाएगा। विभाग में कार्यरत चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ को विशेष प्रशिक्षण दिया जाए जिससे उनकी प्रबंधन दक्षताओं में वृद्धि हो सके। उन्होंने कहा कि मां योजना तथा आरजीएचएस पोर्टल को इंटीग्रेटेड हैल्थ मैनेजमेंट सिस्टम के अंतर्गत इंटीग्रेट किया जाए। साथ ही, स्वास्थ्य शिविर लगाकर ई-हैल्थ रिकॉर्ड के कार्य में गति लाई जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्न को राज्य सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल किया जाए जिससे इसके उपयोग को प्रोत्साहन मिले। उन्होंने कहा कि अन्न की पोषण क्षमता एवं उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए मिड-डे मील तथा मां बाडी केन्द्रों पर पायलट बेसिस पर अन्न आधारित उत्पाद शुरू किए जाएं जिससे बच्चों में सुपोषण तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकारी आयोजनों में स्वयं सहायता समूह तथा राजीविका की महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पादों को उपयोग में लाया जाए जिससे न केवल उन उत्पादों को प्रोत्साहन मिलेगा बल्कि उनकी आय में वृद्धि भी होगी। शर्मा ने अधिकारियों को अन्न के मार्केटिंग, उत्पादन तथा प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक समिति बनाने के भी निर्देश दिए।

शर्मा ने कहा कि बजटीय घोषणाओं की स्पष्ट कार्ययोजना बनाई जाए जिससे तय समयसीमा में घोषणाएं धरातल पर उतर सकें। उन्होंने कहा कि विभाग अपनी बजटीय घोषणाओं की प्रगति रिपोर्ट तैयार कर उनकी नियमित समीक्षा करें। साथ ही, जिन विभागों में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है उनके कार्य में तेजी लाई जाए। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में रोजगार के अवसरों का सृजन करने के साथ सर्विस सेक्टर में निवेश बढ़ाने के उद्देश्य से ग्लोबल कैपेसिटी सेंटर पॉलिसी लाई जाएगी। साथ ही, राजस्थान ट्रेड प्रमोशन पॉलिसी लाकर राज्य में ट्रेडिंग सेक्टर का विकास एवं संवर्धन किया जाएगा। बैठक में मुख्यमंत्री ने सर्कुलर इकोनॉमी के व्यापक प्रसार, ई-बस सेवा, प्रस्तावित एमनेस्टी स्कीम, राजस्थान व्हीकल स्क्रैप पॉलिसी, घरेलू उपभोक्ताओं को पाइप्ड गैस सप्लाई से जोड़ने की प्रक्रिया को गति देने सहित विभिन्न बजटीय घोषणाओं की प्रगति पर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने जल संसाधन, उद्योग, नगरीय विकास, तकनीकी शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा, नागरिक उड्डयन, परिवहन, सूचना प्रौद्योगिकी, वित्त, वन, पर्यावरण, ग्रामीण विकास, राजस्व, स्वायत्त शासन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, कार्मिक, स्कूल शिक्षा, सार्वजनिक निर्माण विभाग जैसे प्रमुख विभागों की बजटीय घोषणाओं की क्रियान्विति की समीक्षा की। इस दौरान मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला : मसालों और अन्य उत्पादों की चार दिन में हुई 1.28 करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जवाहर कला केन्द्र में आयोजित किये जा रहे राष्ट्रीय सहकार मसाला मेले के प्रति जयपुरवासियों का विशेष उत्साह नजर आ रहा है। मेले में मसालों के साथ ही अन्य उत्पादों की जमकर खरीददारी की जा रही है। पिछले चार दिन में ही मसाला मेले में 1.28 करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री हो चुकी है। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां श्रीमती मंजू राजपाल ने बताया कि मेला दिन-ब-दिन परवान चढ़ रहा है। जयपुरवासी बड़ी संख्या में अपनी आवश्यकता के अनुसार मेले में साबुत एवं पिसे मसालों के साथ ही अन्य उत्पादों की खरीददारी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मेले में 9 मई को 11 लाख, 10 मई को 42 लाख, 11 मई को 44 लाख एवं 12 मई को 31 लाख रुपये के मसालों और अन्य उत्पादों की बिक्री हुई। कॉनफैड स्टोर पर उपलब्ध सिहोरी गेहूं के साथ ही कोटा-बूंदी का तानसेन एवं मधुबाला चावल, केरल के मसाले, इरोड (तमिलनाडू) की हल्दी, बारां का धनिया आदि की मेले में जबर्दस्त डिमांड है। ग्राहकों के लिए मोबाइल चक्की के माध्यम से मसालों की निशुल्क पिसाई की व्यवस्था की गई है। साथ ही, आगन्तुकों के लिए निःशुल्क पार्किंग सुविधा उपलब्ध करवाई गई है।

श्रीमती राजपाल ने बताया कि मेले में स्टॉल्स की संख्या बढ़ाकर 145 कर दी गई है। इस बार कॉनफैड कि स्टॉल सहित लगभग 25 स्टॉल्स पर अन्न उत्पाद भी प्रदर्शित किए जा रहे हैं, जो ग्राहकों के लिए विशेष आकर्षण का केन्द्र हैं। साथ ही, ताजा फल एवं सब्जी भी मेले में उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त ड्राई फ्रूटस, कुकीज, चिप्स, नमकीन, पापड़, मंगोड़ी, अचार, जैम, शर्बत, ठण्डाई, माउथ फ्रेशनर, कैंडी, मुम्बईया सौंफ, रेडी टू ईट प्रोडक्टस, किचन वीयर, हैंडीक्राफ्टस, सजावटी सामान, सौन्दर्य उत्पाद, हैल्थ प्रोडक्टस एवं परिधान आदि विशेष आकर्षण का केन्द्र हैं।

छत्रपति संभाजी महाराज ने राष्ट्र के स्वाभिमान से कभी समझौता नहीं किया : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजभवन में मंगलवार को छत्रपति संभाजी महाराज जयंती उत्सव समारोह पूर्वक मनाया गया। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने इस दौरान नासिक से आई उनकी अश्व सवार भव्य प्रतिमा और शोभायात्रा का भाव भरा अभिनंदन किया। दिल्ली में जन्म जयंती मनाने के अंतर्गत मंगलवार को छत्रपति संभाजी महाराज की अश्व सवार प्रतिमा संग शोभा यात्रा राजभवन पहुंची थी।

राज्यपाल बागड़े ने शोभायात्रा का अभिनंदन करते हुए उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने उनकी प्रतिमा की राजभवन में विधिवत पूजा अर्चना की और कहा कि छत्रपति संभाजी महाराज धर्माभिमानी थे। उन्होंने औरंगजेब के जुल्म सहे परन्तु राष्ट्र के स्वाभिमान से कभी समझौता नहीं किया।

राज्यपाल ने छत्रपति संभाजी महाराज को देश धर्म पर मिटने वाला बताते हुए कहा कि उनका समग्र व्यक्तित्व प्रेरणा देने वाला है। वह शिवा का छावा थे। राष्ट्र के गौरव और औरंगजेब द्वारा धर्म परिवर्तन के प्रलोभन अस्वीकार कर उन्होंने अपने प्राण देश और धर्म पर न्योछावर कर दिए। इससे पहले नासिक से शोभायात्रा राजभवन पहुंचने पर उनकी भावभीनी अगवानी की गई।

ऑपरेशन सिंदूर के तहत सेना ने पाकिस्तान और आतंकवाद की रीढ़ तोड़ दी : मदन राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ आज जोधपुर पहुंचे, यहां रेलवे स्टेशन पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए राठौड़ ने आतंकवाद, पाकिस्तान की गतिविधियों और देश की सुरक्षा पर केंद्र सरकार और सेना की भूमिका की सराहना की। साथ ही उन्होंने कांग्रेस सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल के बयान को शर्मनाक बताते हुए कांग्रेस को ऐसे सांसद से दूरी बनाने की सलाह दी।

राठौड़ ने कहा कि पाकिस्तान ने वर्षों से आतंकवाद को पनाह दी, उसे प्रशिक्षण दिया और निर्दोष भारतीय नागरिकों की हत्या जैसे कायराना हमलों को अंजाम दिया। अब समय आ गया था कि उन्हें इस कुकृत्य का मुंहतोड़ जवाब दिया जाए। हमारी सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया, एयरबेस तक को निशाना बनाकर आतंकवाद की रीढ़ तोड़ दी। उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई से पाकिस्तान पूरी तरह बेनकाब हो गया और बातचीत की गुहार लगाने को मजबूर हुआ। हालांकि पाकिस्तान पर भरोसा नहीं किया जा सकता क्योंकि वह बार-बार सीजफायर तोड़ चुका है लेकिन इस बार जो जवाब दिया गया है, वह निर्णायक और ऐतिहासिक है।

राठौड़ ने कहा कि इस समय जब पूरा देश एकजुट होकर सेना के साथ खड़ा है, कांग्रेस फिर से राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि पहले सर्जिकल स्ट्राइक के वक्त भी कांग्रेस ने सवाल खड़े किए थे और अब एक बार फिर वही गलती दोहरा रही है। ऐसे समय में राजनीतिक सवाल उठाना दुर्भाग्यपूर्ण है और इससे कांग्रेस की सोच उजागर होती है। बाड़मेर-जैसलमेर से कांग्रेस सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल द्वारा हालिया आतंकी हमले में धर्म पूछकर मारे जाने की पुष्टि न होने संबंधी बयान पर राठौड़ ने कहा कि उम्मेदाराम जी को समझना चाहिए कि पीड़ित परिवार और प्रत्यक्षदर्शियों ने खुद ये बात कही है। ऐसे बयान निंदनीय हैं।

राठौड़ ने कहा कि तिरंगा यात्रा के माध्यम से देशभक्ति का माहौल बना है। देशभर में लोग तिरंगा लेकर सड़कों पर निकल रहे हैं यह हमारे राष्ट्रप्रेम की अभिव्यक्ति है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भाषण भी एक सैनिक की भावना से भरा हुआ था, जिसमें साफ संदेश था कि यदि कोई आतंकवादी गतिविधि दोहराई गई तो भारत उसे बर्दाश्त नहीं करेगा। कांग्रेस के इंदिरा होना आसान नहीं अभियान पर प्रतिक्रिया देते हुए राठौड़ ने कहा कि मैं इंदिरा गांधी की आलोचना नहीं करता लेकिन नरेंद्र मोदी ने जिस तरह भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को बढ़ाया है, वह अतुलनीय है। आज दुनिया भारत का लोहा मानती है।

'प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से पहुंचे'

अलवर/दक्षिण भारत । राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं तथा विकास कार्यो को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करें और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाएं। राज्यपाल मंगलवार को अलवर जिले के मिनी सचिवालय स्थित कलक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अधिकारी संवेदनशील रहकर केंद्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन करावे ताकि सभी पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ सुगमता से मिले।

बागड़े ने विभागवार योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि नई शिक्षा नीति के प्रावधानों की जानकारी हेतु शिक्षकों को प्रशिक्षित करें। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षक नई शिक्षा नीति के अनुरूप विद्यार्थियों के किताबी ज्ञान के साथ-साथ बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करें।

इस नीति के तहत 3 साल से अधिक उम्र के बच्चों का नामांकन करते हुए शिक्षा से जोड़ने को कहा। उन्होंने जिले में ड्रॉप-आउट विद्यार्थियों को पुनः शिक्षा से जोड़ने हेतु किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास एवं प्राचीन ग्रंथ ज्ञान के भंडार हैं। इससे आज का युवा बहुत कुछ सीख सकता है।

अब जयपुर में होंगे तीन आईपीएल मुकाबले, सीजफायर के बाद बीसीसीआई ने नया शेड्यूल जारी किया

जयपुर। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर के बाद इंडियन प्रीमियर लीग के शेड्यूल में बड़ा बदलाव किया गया है। राजस्थान रॉयल्स के वाइस प्रेसिडेंट राजीव खन्ना ने जानकारी दी है कि अब जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में कुल तीन आईपीएल मैचों का आयोजन होगा। बदलते हालात को देखते हुए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने यह फैसला लिया है। नई योजना के तहत अब पहला मुकाबला 18 मई को राजस्थान रॉयल्स और पंजाब सुपर किंग्स के बीच जयपुर में खेला जाएगा। इसके बाद दो अन्य मैच जो पहले पंजाब में आयोजित होने थे, उन्हें भी जयपुर शिफ्ट कर दिया गया है।

दरअसल भारत-पाकिस्तान के बीच हाल ही में बढ़े तनाव के चलते बीसीसीआई ने आईपीएल के कुछ मुकाबले स्थगित कर दिए थे। इस कारण पंजाब के धर्मशाला में खेले जाने वाले मैच को भी रद्द करना पड़ा था।

नई शिक्षा नीति भारतीय संस्कृति और ज्ञान परंपरा की संवाहक : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि विश्वविद्यालय ज्ञान पुंज हैं। यहां विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता के साथ-साथ उनके समग्र विकास पर फोकस होना चाहिए। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति संस्कृति और भारतीय ज्ञान परंपरा की संवाहक है। राज्यपाल बागड़े मंगलवार को राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय अलवर के पंचम दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने समारोह में छात्राओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि समाज में बदलाव आ रहा है जिससे महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर अपनी श्रेष्ठता साबित कर रही है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के लिए केवल परीक्षा में पास होना या डिग्री लेना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि उन्हें आजीविका के लिए हुनरमंद होना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि बौद्धिक क्षमता बढ़ने से पीढ़ियां आगे बढ़ती है। यही भाव नई शिक्षा नीति में समाहित है। नई शिक्षा नीति भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के साथ आधुनिक तकनीक को समाहित किए हुए है जिसको समय की मांग के अनुरूप तैयार किया गया है। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तक के ज्ञान के अलावा नए-नए शोध एवं तकनीकी ज्ञान से अवगत कराए।

उन्होंने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बच्चों की प्राथमिक स्तर से ही नींव मजबूत की जानी चाहिए। इससे बच्चों का उत्तरोतर शिक्षा के साथ समग्र विकास संभव होगा। उन्होंने इसी संदर्भ में राजस्थानी कहावत पूत पालने में सिखावे का भी उल्लेख किया। उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले एवं विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में कम से कम एक-एक पौधा अपने परिजनों के नाम लगाए एवं उसकी सारसंभाल करे जिससे हमारे सांस्कृतिक मूल्यों के साथ पर्यावरण का संरक्षण होगा।

समान नंबर वाले मतदाता पहचान पत्र मुद्दे का हल निकल गया है: निर्वाचन आयोग सूत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने समान नंबर वाले मतदाता पहचान-पत्रों के मुद्दे का समाधान निकाल लिया है और ऐसे कार्ड धारकों को नए नंबर वाले नए मतदाता पहचान-पत्र जारी किये गये हैं। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

सूत्रों ने कहा कि समान मतदाता फोटो पहचान पत्र या ईपीआईसी संख्या के मामले अत्यंत कम थे, चार मतदान केंद्रों में औसतन करीब एक। सूत्रों ने बताया कि क्षेत्र स्तरीय सत्यापन के दौरान पाया गया कि समान ईपीआईसी संख्या वाले लोग अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों और अलग-अलग मतदान केंद्रों के वास्तविक मतदाता थे। सूत्रों ने कहा कि प्रत्येक मतदाता का नाम उस मतदान केंद्र की मतदाता सूची में होता है, जहां वह सामान्य निवासी है। सूत्रों ने कहा कि समान संख्या वाला ईपीआईसी होने से ऐसा कोई भी व्यक्ति किसी अन्य मतदान केंद्र पर मतदान नहीं कर सकता। सूत्रों ने कहा कि इसलिए, समान ईपीआईसी जारी होने से किसी भी चुनाव के नतीजों पर कोई असर नहीं पड़ सकता।

तृणमूल कांग्रेस सहित विपक्षी दलों के मतदाता सूची में हेराफेरी के आरोपों के बीच, निर्वाचन आयोग ने मार्च में कहा था कि वह अगले तीन महीनों में ''दशकों पुराने'' मामले का समाधान करेगा। उन्होंने बताया कि काफी समय से लंबित इस मुद्दे के समाधान के लिए, सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों और पूरे देश के सभी 4,123 विधानसभा क्षेत्रों के सभी 10.50 लाख मतदान केंद्रों के निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों द्वारा 99 करोड़ से अधिक मतदाताओं के संपूर्ण चुनावी डेटाबेस की पड़ताल की गई। औसतन प्रत्येक मतदान केन्द्र पर लगभग 1,000 मतदाता होते हैं।

इस मुद्दे की उत्पत्ति 2005 से मानी जाती है, जब विभिन्न राज्य और केंद्र शासित प्रदेश विकेन्द्रीकृत तरीके से विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रवार अलग-अलग अक्षरांकीय श्रृंखला का उपयोग कर रहे थे।

सूत्रों ने कहा कि 2008 में निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के बाद इन श्रृंखलाओं को फिर से बदलना पड़ा। सूत्रों ने बताया कि इस दौरान कुछ विधानसभाओं ने गलती से या तो पुरानी श्रृंखला का इस्तेमाल जारी रखा या टाइपोग्राफिक त्रुटियों के कारण उन्होंने कुछ अन्य निर्वाचन क्षेत्रों को आवंटित श्रृंखला का इस्तेमाल किया।

मतदाता पहचान पत्र संख्या मुद्दे के बारे में जानकारी रखने वाले तृणमूल कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, ''हम तब प्रतिक्रिया देंगे जब निर्वाचन आयोग रिकॉर्ड पर बोलेगा न कि सूत्रों के जरिये।''

उत्तर प्रदेश: बड़ा मंगल पर हनुमान मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पहले बड़ा मंगल के अवसर पर मंगलवार से भंडारे आयोजित करने का दौर शुरू हो गया और शहर के विभिन्न हनुमान मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी।

अलीगंज से हजरतगंज और अमीनाबाद से विश्वविद्यालय मार्ग तक बड़ी संख्या में श्रद्धालु हनुमान मंदिरों में पूजा-अर्चना और भगवान का दर्शन करने पहुंचे।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा मंगल के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''मनोजवं मारुततुल्यवेगं जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम्। वातात्मजं वानरयूथमुख्यं श्रीरामदूतं शरणं प्रपद्ये। ज्येष्ठ माह के प्रथम मंगलवार 'बड़ा मंगल' की सभी को हार्दिक बधाई व मंगलमय शुभकामनाएं।''

उन्होंने कहा, ''संकटमोचक, अतुलित बल के स्वामी केसरीनंदन सभी को साहस, भक्ति और आरोग्यता का आशीर्वाद प्रदान करें, यही प्रार्थना है। जय बजरंगबली।''

गोरखपुर में किन्नर पर हमले के बाद तनाव व्याप्त, दो लोग हिरासत में

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। गोरखपुर के झंगहा इलाके में मंगलवार सुबह एक किन्नर पर हमले के बाद तनाव व्याप्त हो गया। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि झंगहा थाना क्षेत्र के दुबौली चौराहे पर आज सुबह सीमा नामक किन्नर पर कुछ युवकों ने लाठी-डंडों से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। उसे पहले ब्रह्मपुर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, लेकिन गंभीर चोट को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। माना जा रहा है कि यह हमला सोमवार रात को तिलक समारोह के दौरान हुए विवाद से जुड़ा है जहां कुछ युवकों ने किन्नरों के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार किया था।

हालांकि, स्थानीय निवासियों ने रात में स्थिति को शांत कर दिया था लेकिन मंगलवार को सीमा नामक किन्नर पर हमला किया गया। अपने साथी पर हुए हमले की खबर मिलने पर बड़ी संख्या में किन्नर समाज के लोग नई बाजार पुलिस चौकी पर एकत्र हो गए और त्वरित कार्रवाई की मांग करने लगे।

सेवानिवृत्ति के बाद कोई आधिकारिक पद नहीं लूंगा: प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना

नई दिल्ली/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना ने मंगलवार को कहा कि यद्यपि वह सेवानिवृत्ति के उपरांत कोई आधिकारिक पद नहीं लेंगे, लेकिन कानून के क्षेत्र में अपनी पारी जारी रखेंगे। अठारह जनवरी, 2019 को शीर्ष अदालत में पदोन्नत हुए न्यायमूर्ति खन्ना को 11 नवंबर, 2024 को सीजेआई नियुक्त किया गया था और वह मंगलवार को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। सीजेआई ने पीठ की औपचारिक कार्यवाही समाप्त होने के बाद शीर्ष अदालत परिसर में पत्रकारों से मुलाकात की और कहा, ''मैं सेवानिवृत्ति के बाद कोई पद स्वीकार नहीं करूंगा... शायद कानून के क्षेत्र में कुछ करूंगा।''

शीर्ष अदालत के कई पूर्व न्यायाधीश सेवानिवृत्त होने के बाद मध्यस्थता के क्षेत्र में अपनी पारी शुरू करते हैं। सीजेआई ने कहा, ''मैं तीसरी पारी खेलूंगा और कानून से संबंधित कुछ करूंगा।'' उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा से जुड़े नकदी विवाद से संबंधित एक प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा, ''न्यायिक सोच निर्णायक और निर्णयात्मक होनी चाहिए।'' उन्होंने आगे कहा, ''हम सकारात्मक और नकारात्मक बिंदुओं को देखते हैं और मुद्दे पर निर्णय लेते हैं, फिर तर्कसंगत रूप से हम विभिन्न कारकों पर विचार करते हैं जो हमें सही निर्णय लेने में मदद करते हैं।''

मुजफ्फरनगर दंगे: सुबूतों के अभाव में 11 आरोपी बरी

मुजफ्फरनगर (उप्र)/भाषा। मुजफ्फरनगर की एक अदालत ने साल 2013 में हुए सांप्रदायिक दंगों के एक मामले में 11 अभियुक्तों को सुबूतों के अभाव में बरी कर दिया। सरकारी वकील नरेंद्र शर्मा ने मंगलवार को बताया कि 'फास्ट ट्रैक' अदालत की न्यायाधीश नेहा गर्ग ने यह फैसला पिछली नौ मई को सुनाया। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ आरोप साबित करने में विफल रहा।

शर्मा ने बताया कि मामले की तफ्तीश के लिए गठित किए एसआईटी ने 11 आरोपियों सुभाष, पपन, मनवीर, विनोद, प्रमोद, नरेंद्र, राम किशन, रामकुमार, मोहित, विजय और राजेंद्र के खिलाफ भादंसं की धारा 395 (डकैती) और 436 (घर को नष्ट करने के इरादे से आग या विस्फोटक पदार्थ से उत्पात मचाना) के तहत आरोप पत्र दाखिल किया था। फुगाना थाना क्षेत्र के अंतर्गत लिसाढ़ गांव निवासी उमरदीन की शिकायत के आधार पर यह मामला दर्ज किया था। मुकदमे में आरोप लगाया था कि मुजफ्फर नगर में सांप्रदायिक हिंसा के दौरान आठ सितंबर 2013 को दंगाइयों की भीड़ ने उनके घर में घुसकर तोड़फोड़ की थी। साथ ही लाखों रुपए की नकदी और आभूषण लूटकर बाद में उनके घर में आग लगा दी थी। उन्होंने बताया कि घटना के बाद उमरदीन और उनके परिवार के सदस्यों ने गांव छोड़कर शामली जिले के झिंझाना कस्बे में शरण ले ली थी।

असम पंचायत चुनाव में राजग की जीत प्रधानमंत्री मोदी की जन-केंद्रित नीतियों का समर्थन : अमित शाह

शाह ने एक्स पर पोस्ट किया कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जन-केन्द्रित नीतियों का समर्थन है जो असम में शांति और समृद्धि का लेकर आई है एक नया युग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम में पंचायत चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को ऐतिहासिक जीत दिलाने के लिए मंगलवार को राज्य के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जन-केंद्रित नीतियों को हासिल समर्थन की पुष्टि है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि राजग ने 'जिला परिषद' चुनावों में 76.22 फीसदी मतदान प्रतिशत के साथ 397 सीटों में से 300 सीटें जीतीं, जबकि 'आंचलिक पंचायत' चुनावों में सत्तारूढ़ गठबंधन को 66 फीसदी वोट प्रतिशत के साथ 2,192 सीटें में से 1436 सीटें हासिल हुईं।

शाह ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, पंचायत चुनाव 2025 में राजग को ऐतिहासिक जीत दिलाने के लिए असम के लोगों का आभार। यह जीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जन-केंद्रित नीतियों का समर्थन है, जो असम में शांति और समृद्धि का एक नया युग लेकर आई हैं। गृह मंत्री ने असम के मुख्यमंत्री शर्मा, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष दिलीप सैकिया और पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रधानमंत्री मोदी के विकास के संदेश को घर-घर पहुंचाने के उनके समर्पित प्रयासों के लिए बधाई दी। शाह ने कहा, हम सब मिलकर सभी के लिए एक विकसित असम का निर्माण करेंगे।

सशस्त्र बलों को राजनीति में न घसीटें: तेजस्वी

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा घोषित 10 दिवसीय 'तिरंगा यात्रा' के प्रति नाराजगी जताते हुए मंगलवार को कहा कि ''सशस्त्र बलों को कभी भी राजनीति में नहीं घसीटा जाना चाहिए।''

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''मुझे सशस्त्र बलों पर गर्व है, जिन्होंने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया, लेकिन मैं श्रेय लेने की राजनीति के खिलाफ हूं।''

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यादव ने कहा, ''मैं सकारात्मक राजनीति में विश्वास करता हूं। मेरा दृढ़ता से मानना है कि सशस्त्र बलों को कभी भी राजनीति में नहीं घसीटा जाना चाहिए। मुझे उन लोगों से कुछ नहीं कहना है जो बिना हिचक सैन्य अभियान की सफलता का श्रेय लेना चाहते हैं।'' वह 23 मई तक आयोजित की जाने वाली 'तिरंगा यात्रा' के बारे में पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे।

राजद नेता ने हालांकि कहा, ''मैं अपने बहादुर सैनिकों का हमेशा सम्मान करता हूं। और यही कारण है कि मैं संसद के एक विशेष सत्र की मांग कर रहा हूं जहां प्रधानमंत्री सहित सभी सदस्य प्रशंसा में अपनी बात कह सकें।''

नैतिक अधिकार और साहस खो चुकी है सरकार, ट्रंप के दावों पर जवाब दें प्रधानमंत्री: गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने मंगलवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ''मध्यस्थता'' संबंधी दावे के बाद केंद्र सरकार अपना नैतिक अधिकार और साहस खो चुकी है तथा ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस मामले पर सफाई देनी चाहिए।

गहलोत ने यहां एक संवादाता सम्मेलन में यह भी दावा भी किया कि ट्रंप के दावे के बाद जनता के बीच जो प्रतिक्रिया दिखी है, उससे घबराकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 'तिरंगा यात्रा' निकालने का फैसला किया।

गहलोत ने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी ने कल राष्ट्र के नाम संबोधन दिया, लेकिन उन्होंने निराश किया। अचानक हुए संघर्ष-विराम को देश समझ नहीं पा रहा है, क्योंकि ये पूरी तरह से गोपनीय रहा।'' उन्होंने कहा, ''अमेरिका ने पहले भी हिंदुस्तान पर दबाव बनाया था, लेकिन हम कभी झुके नहीं और पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए। शिमला समझौते के वक्त भी हमने किसी दूसरे देश को बीच में आने नहीं दिया।'' राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप बीच में आ रहे हैं, उस पर प्रधानमंत्री मोदी और सरकार को जवाब देना चाहिए।

उन्होंने सवाल किया, ''आखिर ट्रंप के बयानों पर सरकार स्पष्टीकरण क्यों नहीं दे रही है? डोनाल्ड ट्रंप ने कौन-सी ठेकेदारी ले रखी है?'' गहलोत ने कहा, ''अब ट्रंप कह रहे हैं कि वह कश्मीर मुद्दे को भी सुलझाएंगे, जबकि इससे पहले तक भारत की नीति सिर्फ द्विपक्षीय ही रही है। ट्रंप की यह बात बहुत ही गंभीर है।''

भाजपा की 'तिरंगा यात्रा' के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया, ''अमेरिकी की पंचायती में जो सैन्य अभियान रुका, उसे लेकर जनता में भारी प्रतिक्रिया है। इससे घबराकर भाजपा तिरंगा यात्रा निकाल रही है।'' उन्होंने कहा कि जनता समझ चुकी है कि सच्चाई क्या है। प्रधानमंत्री मोदी के आदमपुर वायुसेना केंद्र के दौरे को लेकर गहलोत ने कहा, ''अब लगातार संदेश की राजनीति चलेगी। यह संदेश देने की कवायद है।''

संभल के जामा मस्जिद-हरिहर मंदिर विवाद मामले में निर्णय सुरक्षित

प्रयागराज/भाषा। संभल स्थित जामा मस्जिद और हरिहर मंदिर विवाद मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अपना निर्णय मंगलवार को सुरक्षित रख लिया। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने मस्जिद कमेटी के वकीलों, मंदिर पक्ष से हरिशंकर जैन और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के वकील की दलीलें सुनने के बाद अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया। इससे पूर्व, पांच मई को एएसआई के वकील ने अपना जवाबी हलफनामा दाखिल किया था जिस पर अदालत ने मस्जिद कमेटी के वकील को 'रिज्वाइंडर' दाखिल करने का समय दिया था और सुनवाई की अगली तारीख 13 मई तय की थी।

मस्जिद कमेटी ने संभल की अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय में पुनरीक्षण याचिका दायर की है। संभल की अदालत ने अधिवक्ता आयोग द्वारा मस्जिद का पुरातत्व सर्वेक्षण का निर्देश दिया था। इससे पूर्व, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने संभल की जिला अदालत में लंबित मूल वाद पर सुनवाई पर अगली तिथि तक के लिए रोक लगा दी थी। मूल वाद में हिंदू पक्ष ने संभल के मोहल्ला कोट पूर्वी में स्थित श्री हरिहर मंदिर (कथित जामा मस्जिद) में प्रवेश का अधिकार मांगा है। इस पुनरीक्षण याचिका में दलील दी गई है कि उक्त वाद 19 नवंबर, 2024 को दोपहर में दायर किया गया और कुछ घंटों के भीतर ही न्यायाधीश ने एक अधिवक्ता आयुक्त की नियुक्ति कर उसे मस्जिद का प्रारंभिक सर्वेक्षण करने का निर्देश दे दिया और उसी दिन और 24 नवंबर, 2024 को यह सर्वेक्षण किया गया। अदालत ने सर्वेक्षण की रिपोर्ट 29 नवंबर को पेश करने का भी निर्देश दिया था।

राहुल गांधी 15 मई को बिहार के दरभंगा का दौरा करेंगे: कन्हैया कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ''शिक्षा न्याय संवाद'' कार्यक्रम की शुरुआत करने के लिए इस सप्ताह के अंत में बिहार में रहेंगे। यह जनसंपर्क कार्यक्रम राज्य में शिक्षा क्षेत्र की दयनीय स्थिति को उजागर करने के लिए चलाया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी के एक नेता ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

यह घोषणा कांग्रेस की छात्र शाखा नेशनल स्टूडेंट यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैया कुमार ने की। कुमार ने पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। कुमार ने कहा, ''लोकसभा में विपक्ष के नेता 15 मई को दरभंगा आएंगे, जब कांग्रेस के 60 से अधिक राष्ट्रीय स्तर के नेता शिक्षा न्याय यात्रा शुरू करने के लिए राज्य के विभिन्न हिस्सों में होंगे।'' जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष कुमार ने हाल ही में राज्यव्यापी ''पलायन रोको नौकरी दो'' पद यात्रा निकाली थी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पिछले कार्यक्रम के विपरीत, ''शिक्षा न्याय संवाद'' की कोई समय-सीमा नहीं है। कुमार ने कहा, ''हमारे नेता कॉलेज, विश्वविद्यालयों और छात्रावासों का दौरा करके छात्रों से बातचीत करेंगे। बिहार के छात्रों को शैक्षणिक सत्र में देरी, प्रश्नपत्र लीक और अपनी आवाज उठाने पर विरोध प्रदर्शनों करने को लेकर राज्य सरकार के दमन जैसी कार्रवाई का सामना करना पड़ रहा है।''

कुमार ने 2019 में अपने गृह जिले बेगूसराय से लोकसभा चुनाव लड़ा था। उन्होंने कहा, ''छात्रों से प्राप्त फीडबैक का उपयोग न्याय पत्र बनाने में किया जाएगा, जो वादों का एक घोषणापत्र है। यदि यहां 'इंडिया' गठबंधन की अगली सरकार बनती है तो हम बिहार में इसे पूरा करेंगे।''

उल्लेखनीय है कि राज्य में विधानसभा चुनाव अब कुछ ही महीने बाद होने हैं, जहां करीब दो दशक से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का शासन है।

भाजपा से 'डर' के कारण कांग्रेस को अल्पसंख्यक समुदाय से वोट मिलते रहे हैं : मुख्यमंत्री हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को दावा किया कि कांग्रेस को अल्पसंख्यक समुदाय, विशेषकर मुसलमानों से वोट मिलते रहे हैं, क्योंकि इन मतदाताओं में यह डर है कि अगर भाजपा चुनाव जीतती है तो पार्टी उन पर हमला करेगी और उनके धार्मिक स्थलों को नष्ट कर देगी।

यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शर्मा ने आरोप लगाया कि असम के कांग्रेस सांसदों - गौरव गोगोई, प्रद्युत बारदोलोई और रकीबुल हुसैन को अल्पसंख्यकों के वोट केवल इसलिए मिले हैं क्योंकि लोगों में भाजपा को लेकर डर है।

मुख्यमंत्री ने दावा किया, ''उन्हें (कांग्रेस सांसदों को) अपनी लोकप्रियता के कारण वोट नहीं मिले, बल्कि (अल्पसंख्यक समुदाय के बीच) डर के कारण वोट मिले। उनके मन में डर है कि अगर भाजपा जीत गई तो उन पर हमला किया जाएगा और उनकी मस्जिदें जला दी जाएंगी। इसलिए, वे कांग्रेस को वोट देते हैं।'' उन्होंने कहा कि राज्य से लोकसभा के तीनों सांसद - गोगोई, बोरदोलोई और हुसैन - अल्पसंख्यकों के बीच इसी डर के कारण जीते हैं।

मेरठ में सैन्य प्रशिक्षण के दौरान ड्रोन लापता, तलाश जारी

मेरठ (उत्तर प्रदेश)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में सेना का एक ड्रोन सोमवार शाम प्रशिक्षण के दौरान लापता हो गया। पुलिस और सैन्य सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

622 ईएमई बटालियन के हवलदार तकनीशियन दीपक रॉय की ओर से रेलवे रोड थाने में दी गई तहरीर के अनुसार, यह घटना सिटी रेलवे स्टेशन के पास उस समय हुई जब सैन्य अभ्यास के तहत एक ड्रोन उड़ाया गया था। उड़ान के दौरान ड्रोन का नियंत्रण मॉनिटर से संपर्क टूट गया और वह तय दिशा से भटक कर लापता हो गया। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सदर) संतोष कुमार सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, सेना की ओर से दी गई सूचना के अनुसार, ड्रोन रोहटा रोड क्षेत्र में उड़ाया गया था जो रेलवे लाइन पार कर दूसरी दिशा में चला गया। इसके बाद उससे संपर्क नहीं हो सका। काफी तलाश के बाद भी ड्रोन का कोई सुराग नहीं मिला है। हवलदार रॉय ने बताया कि ड्रोन में न कैमरा था और न ही जीपीएस सिस्टम था। यह सामान्य प्रशिक्षण के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था।

रोहित और कोहली के लिए 2027 विश्व कप खेलने की संभावना कम: गावस्कर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

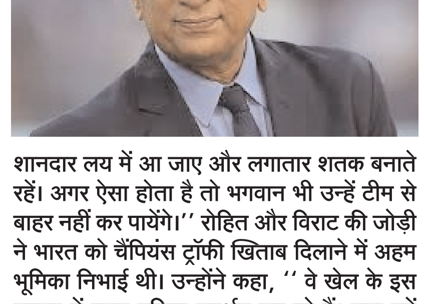

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद रोहित शर्मा और विराट कोहली शायद ही 2027 वनडे विश्व कप में खेल पायेंगे।

भारतीय क्रिकेट के सबसे महान खिलाड़ियों में शामिल गावस्कर ने कहा कि टी20 अंतरराष्ट्रीय और अब टेस्ट क्रिकेट से इस्तीफा देने के बाद वनडे विश्व कप में खेलने की उनकी संभावनाओं पर काफी असर पड़ेगा। गावस्कर ने 'स्पोर्ट्स टुडे' से कहा, '' नहीं, मुझे नहीं लगता कि वे खेलेंगे (एकदिवसीय विश्व कप)'। उन्होंने कहा, '' मैं बहुत ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं लगता कि वे तब तक खेलेंगे। इसकी हालांकि संभावना है कि वे अगले एक साल में शानदार लय में आ जाए और लगातार शतक बनाते रहें। अगर ऐसा होता है तो भगवान भी उन्हें टीम से बाहर नहीं कर पायेंगे।'' रोहित और विराट की जोड़ी ने भारत को चैंपियंस ट्रॉफी खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा, '' वे खेल के इस प्रारूप में बहुत बढ़िया प्रदर्शन कर रहे हैं। क्या हमें लगता है कि वे 2027 विश्व कप के लिए टीम में होंगे? क्या वे उस तरह का योगदान दे पाएंगे जिसके लिए उन्हें जाना जाता है?'' उन्होंने कहा, '' इस पर चयन समिति को काफी विचार करना होगा। अगर चयन समिति को लगता है कि वे उस समय भी टीम में उतना ही बड़ा योगदान देंगे जितना अभी दे रहे हैं, तो ये दोनों खिलाड़ी अपनी जगह बरकरार रख सकते हैं।'' भारत के पूर्व कप्तान गावस्कर कोहली के संन्यास के फैसले से हालांकि हैरान नहीं है। उन्होंने कहा कि दोनों खिलाड़ियों ने चयनकर्ताओं से बातचीत के बाद ही यह फैसला लिया होगा। उन्होंने इस बात की सराहना की कि वे अपनी शर्तों पर राष्ट्रीय टीम से अलग हुए। गावस्कर ने कहा, '' हर कोई चाहता था कि ये दोनों खिलाड़ी अपनी शर्तों पर खेल को अलविदा कहे और वही हुआ।'' गावस्कर ने भारतीय क्रिकेट के भले के लिए इस मामले से शानदार तरीके से निपटने का श्रेय मौजूदा चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर को दिया।

विराट कोहली को अभ्यास मैच पसंद नहीं था: भरत अरुण

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व गेंदबाजी कोच भरत अरुण ने मंगलवार को कहा कि दिग्गज विराट कोहली ने कभी भी अभ्यास मैचों को ज्यादा पसंद नहीं किया और वह इसकी जगह नेट सत्र में समय बिताना चाहते थे। कोहली के कप्तानी के दिनों में भारतीय कोचिंग टीम के अहम सदस्यों में शामिल रहे अरुण ने कहा कि इस दिग्गज खिलाड़ी के साथ काम करना उनके करियर के सर्वश्रेष्ठ पलों में से एक है।

अरुण ने कहा, '' भारतीय और विश्व टेस्ट क्रिकेट को उनकी और उनके व्यक्तित्व की कमी खलेगी। मैंने भारत के गेंदबाजी कोच के रूप में अपने कुछ बेहतरीन पल विराट कोहली की कप्तानी में बिताए हैं।''अरुण ने कहा, '' कोहली ने अभ्यास मैचों को कभी पसंद नहीं किया।'' उन्होंने कहा, '' कोहली का मानना था कि अभ्यास मैचों में मुख्य मैचों की तरह जोश और जज्बे की कमी होती है। उन्होंने कभी अभ्यास मैचों का लुत्फ नहीं उठाया। वह इसकी जगह नेट सत्र में अधिक समय बिताना चाहते थे और हमेशा सबसे तेज विकेट का चुनाव कर गेंदबाजों या थ्रोडाउन विशेषज्ञों से 16 गज की दूरी से गेंद डालने को कहते थे।''

सुविचार

सबसे बड़ा गुरु-मंत्र है-: कभी भी अपने राज़ किसी को मत बताना। यह आपको नष्ट कर देगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कबाड़ पर झूठ के पहाड़

कारगिल युद्ध में मारे गए पाकिस्तानी जवानों के शव लेने से इन्कार करने वाली इस पड़ोसी देश की फौज ने इस बार थोड़ा 'हौसला' दिखाया है। उसने दबी जुबान से जल्द ही कबूल कर लिया कि भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के कारण पाकिस्तान के कई फौजी ढेर हुए हैं। हालांकि उसने जो आंकड़े पेश किए, उनमें झूठ साफ झलकता है। पाकिस्तान अपने उन फौजियों के बारे में सही जानकारी कभी सार्वजनिक नहीं करता, जो भारतीय कार्रवाई में मारे जाते हैं। कारगिल युद्ध में भी यही हुआ था। पहले तो उसने यह कबूल करने से साफ इन्कार कर दिया था कि घुसपैठियों के वेश में कोई और नहीं, बल्कि उसके फौजी हैं। जब भारत की थलसेना और वायुसेना ने उनका संहार कर दिया तो पाकिस्तान ने शव लेने से इन्कार कर दिया था। पाक में ऐसे कई परिवार हैं, जिन्हें पता ही नहीं कि कारगिल युद्ध में मारे गए उनके बेटे कहां और किस कब्र में दफ्न हैं! आज पूरे पाकिस्तान में अफरा-तफरी का माहौल है। पाकिस्तानी फौज के सामने सबसे बड़ी चुनौती जनता के बीच अपनी नकली छवि को बचाने की है। अन्यथा मुल्क पर उसकी पकड़ ढीली हो जाएगी। एक ओर पाकिस्तानी फौज यह दावा कर रही है कि उसके सिर्फ दर्जनभर कर्मी मारे गए, दूसरी ओर उसके फौजी ठिकानों पर मची भारी तबाही की तस्वीरें पाकिस्तानी नागरिक ही वायरल कर रहे हैं! पाकिस्तानी नेता, अधिकारी और स्थानीय मीडियाकर्मी भले ही इन ख़बरों को दबा जाएं, लेकिन जनता ने पोल खोल दी। जिन इलाकों में पाकिस्तानी फौजियों के शव पहुंचे हैं, वहां स्थानीय लोगों में से किसी ने जनाजे की तस्वीरें और वीडियो आदि सोशल मीडिया पर डाल दिए!

छह मई की रात को पाकिस्तान में भारी हाहाकार मच गया था। उसके बाद थोड़ी खामोशी छा गई। फिर, जनाजे निकलने लगे। सोशल मीडिया पर देखा जा सकता है कि पाकिस्तान के शहरों से लेकर गांवों तक एंबुलेंसें चक्कर लगा रही हैं, उनमें से कई ताबूत उतारे जा रहे हैं। लोगों ने शवों को पाकिस्तानी झंडों से ढक रखा है। यही नहीं, एलओसी पर भारतीय सेना ने जो रौद्र रूप दिखाया, उससे पीओके में भारी नुकसान हुआ है। पाकिस्तानी फौज की कई चौकियां नष्ट हो गई हैं। उनके वीडियो भारतीय सेना जारी कर चुकी है। इन सब बातों को जोड़कर देखें तो इस नतीजे पर आसानी से पहुंचा जा सकता है कि पाकिस्तान ने जो आंकड़े जारी किए हैं, उसके मारे गए फौजियों की असल संख्या उससे चार-पांच गुणा ज्यादा है। उसने ढेर हुए आतंकवादियों (जिन्हें वह आम नागरिक कहकर प्रचारित कर रहा है) की जो संख्या बताई, वह भी हकीकत से कोसों दूर है। भारतीय मिसाइलों की मारक क्षमता जबर्दस्त थी। उस रात पीओके और पाकिस्तान में कई लोगों ने उनके वीडियो रिकॉर्ड कर लिए थे। उनमें देखा जा सकता है कि हमारी मिसाइलें बहुत तेज गर्जना करती हुईं लक्ष्य की ओर गई थीं। जब वे इमारतों की मजबूत छतों को चीरकर आतंकवादियों पर गिरीं तो बहुत तेज रोशनी हुई और आस-पास का इलाका भयंकर धमाकों से गूंज उठा था। लोग उसे कयामत की रात कहते नजर आए थे। अगले दिन पश्चिमी मीडिया ने भी उन खंडहरनुमा इमारतों की तस्वीरें जारी की थीं। उन्हें देखकर कोई भी यकीन के साथ कह सकता है कि उस रात जो व्यक्ति भारतीय मिसाइलों की चपेट में आया, उसके बचने की संभावना नगण्य रही। 'ऑपरेशन सिंदूर' से पाकिस्तान को 100 से ज्यादा आतंकवादियों का नुकसान जरूर हुआ है। अब उसकी फौज आंकड़ों पर लीपापोती कर रही है। वह इसके लिए स्वतंत्र है। भारत में कुछ लोग उसके दुष्प्रचार पर विश्वास करते हुए जिस तरह 'ऑपरेशन सिंदूर' की उपलब्धियों पर सवाल उठा रहे हैं, उन्हें समझना चाहिए कि वे दुश्मन के जाल में फंस रहे हैं। आम जनता के लिए तो यह ज्यादा उचित रहेगा कि इस समय पाकिस्तान द्वारा सोशल मीडिया पर जारी की जा रहीं सभी तरह की सूचनाओं से पूरी तरह दूरी बना ले। वहां कबाड़ पर झूठ के पहाड़ बनाए जा रहे हैं।

ट्वीटर टॉक

भारत ने तीन सूत्र तय कर दिए हैं... पहला- भारत पर आतंकी हमला हुआ तो अपनी शर्तों पर, अपने समय पर जवाब देंगे। दूसरा- कोई भी न्यूक्लियर ब्लैकमेल भारत नहीं सहेगा। तीसरा- हम आतंकी सरपरस्त सरकार और आतंक के आकाओं को अलग-अलग नहीं देखेंगे।

-नरेन्द्र मोदी

लोक कल्याणकारी बजट 2025-26 की घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में मुख्यमंत्री निवास पर अधिकारियों के साथ बैठक ली। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों को योजनाओं के समयबद्ध और पारदर्शी क्रियान्वयन के साथ-साथ जनहित को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

-भजनलाल शर्मा

भारतीय सेना के इन वीर जवानों के सर्वोच्च बलिदान को हृदयपूर्वक प्रणाम है। जिन परिवारों में इन जियालों ने जन्म लिया, उनके प्रति मन में अथाह सम्मान की भावना है। हम हृदय से कृतज्ञ हैं।वीर अमर होते हैं।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

जो होता है अच्छे के लिए होता है

एक राजा अपने मंत्री के साथ आखेट पर निकले। वन में हिरन को देख राजा ने तीर प्रत्यंचा पर चढ़ाया ही था कि जंगल में से एक सूअर निकला और राजा को धक्का देकर भागा। इस अप्रत्याशित आघात के कारण तीर की नोक से उनकी उंगली कट गई। रक्त बहने लगा और राजा व्याकुल हो उठे। राजा की उंगली से खून बहता देखकर मंत्री बोले- 'राजन! भगवान जो करता है, अच्छे के लिए करता है। राजा काफी पीड़ा में थे। मंत्री की बात सुनकर क्रोध से भर उठे। उन्होंने मंत्री को आज्ञा दी कि वो उसी समय उनका साथ छोड़ अन्य राह पकड़ लें। मंत्री ने आदेश को सहर्ष स्वीकार किया और भिन्न दिशा में निकल पड़े। इधर राजा थोड़ा आगे बढ़े ही थे कि उन्हें जंगल में नरभक्षी कबीले के लोगों ने घेर लिया। वे उन्हें पकड़कर अपने सरदार के पास ले चले। राजा को बलि देने की तैयारी हो ही रही थी कि कबीले के पुजारी ने राजा की कटी उंगली देखकर कहा कि इसका तो अंग भंग है, इसकी बलि स्वीकार नहीं हो सकती। राजा को जीवनदान मिला तो उन्हें तुरंत मंत्री की याद आई। सोचने लगे कि मंत्री ठीक कहते थे - भगवान जो करता है, अच्छे के लिए ही करता है।

सामयिक

पाकिस्तान में पनप रहे गृह युद्ध के हालात?

सुरेश हिंदुस्तानी
मोबाइल : 9770015780

पहलगांव में घटित आतंकी घटना के बाद भारत की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई से एक बार फिर से पाकिस्तान हताश और निराश दिखाई दिया। इसी हताशा के चलते पाकिस्तान ने अमेरिका के समक्ष मिन्नत करके भारत की जबरदस्त कार्यवाही को युद्ध विराम में परिवर्तित करने में सफलता प्राप्त की। लेकिन इससे पाकिस्तान पर मंडरा रहे संकट का पूरा समाधान नहीं निकल सका है। भारत की ओर से स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते। आतंक और वार्ता एक साथ नहीं हो सकती। इसका आशय स्पष्ट है कि भारत किसी के दबाव में नहीं है। आतंक को समाप्त करने के लिए उसका अभियान जारी रहेगा। हालांकि अब युद्ध विराम हो गया है, लेकिन चारों तरफ से बुरी तरह से घिर चुके पाकिस्तान के सामने अब नई चुनौती पैदा हो गई है। यह नई चुनौती भारत ने नहीं, बल्कि उनके अपनों ने ही पैदा की है। पाकिस्तान की शहवाज शरीफ की सरकार को राजनीतिक विरोधियों के आक्रोश का सामना करना पड़ रहा है, वहीं आम जनता भी सरकार के युद्ध विराम के फैसले से नाखुश है। आम जनता अपनी ही सरकार और सेना पर कई प्रकार के सवाल खड़े करने लगी है। कहा जाता है कि जब धुआं उठा है तो आग भी अपना रूप दिखा सकती है। वैसे पाकिस्तान के बारे में यह सत्य है कि उसने अपने ही देश में बारूद के ढेर स्थापित कर दिए हैं। यह बारूद के ढेर आतंकी सरगनाओं द्वारा चल रहे प्रशिक्षण शिविर हैं। जहां आतंकी पैदा किए जाते हैं। आज जहां पूरे विश्व में आतंक के विरोध में वातावरण है, वहीं पाकिस्तान आतंकियों को पालने और पोषने वाले देश के रूप में पहचान बना चुका है। यह कई बार प्रमाणित भी हो चुका है। आज भी पाकिस्तान के अंदर अंतरराष्ट्रीय आतंकी तौर पर घोषित आतंकी छिप कर बैठे हैं। भारत ने आपरेशन सिन्दूर के तहत जिस तरह से आतंकी शिविरों पर आक्रमण किया था, उससे एक बार फिर यह सिद्ध हो चुका है कि पाकिस्तान में आतंकवादियों को पैदा करने के उद्योग चल रहे हैं। पाकिस्तान को आतंक के विरोध में कार्यवाही करने के लिए कई बार चेतावनी दी गई, लेकिन पाकिस्तान सरकार आतंकियों के विरोध में कोई ठोस अभियान नहीं चलाती। इसका कारण यह भी है कि पाकिस्तान की राजनीति को आतंकी ही संचालित करते हैं। आतंकियों द्वारा कई बार सरकार को बनाने के लिए राजनीतिक दलों का समर्थन भी दिया जाता है।

जब पाकिस्तान में इमरान खान की सरकार थी, तब यही कहा जाता है कि इमरान को सेना और आतंकियों का समर्थन मिला था। आज इमरान की पार्टी विपक्ष में है। इसलिए उनकी पार्टी के कार्यकर्ता सरकार के विरोध में वातावरण बनाने में लगे हुए हैं। पाकिस्तान के अंदर राजनीतिक विद्वेष इतना है कि जो भी राजनीतिक दल सत्ता में आता है, वह अपने पूर्ववर्ती सत्ता प्रमुख को ठिकाने लगाने को ही अपना प्रमुख कार्य मानता है। अभी शहवाज शरीफ प्रधानमंत्री हैं, उन्होंने अपने से पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर कई आरोप लगाकर जेल भेजने का काम किया। पाकिस्तान में ऐसा पहली नहीं हुआ। ऐसा पहले भी हो चुका है। इसलिए यही कहा जा सकता है कि यह पाकिस्तान की नियति बन चुका है। जिसके कारण पाकिस्तान के राजनीतिक दलों में बहुत गंभीर मतभेद हैं। आज पाकिस्तान में भले ही पाकिस्तान मुस्लिम लीग के नेता शहवाज शरीफ प्रधानमंत्री हैं, लेकिन पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो भी सरकार में शामिल हैं। कभी एक दूसरे के धुर विरोधी रहे यह दोनों दल बेमेल गठबंधन करके पाकिस्तान में सरकार चला रहे हैं। ऐसा इसलिए किया गया, क्योंकि इन दोनों दलों का एक ही उद्देश्य था, इमरान खान को सत्ता में आने से रोकना। सबसे ज्यादा सीट प्राप्त करने के बाद भी इमरान को विपक्ष की भूमिका से संतुष्ट होना पड़ा। अब इमरान खान के समर्थक युद्ध विराम के बाद सरकार के विरोध में अभियान छेड़े हुए हैं।

इसी प्रकार ब्लूचिस्तान की भूमिका के बारे में सब जानते हैं। बीएलए के सैनिकों ने पाकिस्तान की सेना पर कई बार आक्रमण करके यह जता दिया है कि वे अब पाकिस्तान के साथ नहीं रह सकते। भारत और पाकिस्तान के बीच चल रही जग के बीच ब्लूचिस्तान ने भी पाकिस्तान की सेना को निशाना बना कर कई आक्रमण किए। इससे पूर्व ब्लूचिस्तान के लड़ाकों ने जफर एक्सप्रेस को हाई जैक करके पाकिस्तान की सरकार के समक्ष चुनौती पूर्ण हालात पैदा कर दिए थे। ब्लूचिस्तान लम्बे समय से पाकिस्तान से आजादी की मांग कर रहा है। दूसरी ओर पाकिस्तान के अंदर सिंध और पंजाब में भी कई बार सरकार के विरोध में स्वर मुखरित हो चुके हैं। कहा जाता है कि इन दोनों राज्यों के साथ सरकार ने उपेक्षित व्यवहार किया है। जिसके कारण पाकिस्तान की सरकार को जनता के विरोध का सामना करना पड़ा है। यह सारी स्थिति पाकिस्तान को गृह युद्ध की ओर भी ले जा सकती हैं।

ज्ञान विज्ञान

उल्कापिंड और मंगल के भूकंप लाल ग्रह पर तरल जल के भूमिगत महासागर का संकेत देते हैं

इस बात के प्रमाण बढ़ रहे हैं कि मंगल के धूल भरे लाल मैदानों के नीचे एक रहस्य छिपा है, जो लाल ग्रह के बारे में हमारे नज़रिए को फिर से परिभाषित कर सकता है: इसमें पानी का एक विशाल भंडार है, जो पृथ्वी की सतह में गहराई तक है। मंगल ग्रह पर प्राचीन जल निकायों के निशान हैं। लेकिन जब ग्रह ठंडा और शुष्क हो गया तो यह सब कहां चला गया, इसकी पहेली ने वैज्ञानिकों को लंबे समय से उलझन में डाल रखा है।

हमारा नया अध्ययन शायद इसका जवाब दे। नासा के 'इनसाइट' मिशन से भूकंप संबंधी आंकड़ों का उपयोग करते हुए, हमने इस बात के प्रमाण खोजे हैं कि भूकंपीय तरंगें सतह से 5.4 से 8 किलोमीटर नीचे की परत में धीमी हो जाती हैं, जो इन गहराईयों में तरल पानी की मौजूदगी के कारण हो सकता है।

लुप्त जल का रहस्य

मंगल हमेशा से वैसा बंजर रेगिस्तान नहीं था जैसा हम आज देखते हैं। अरबों साल पहले, नोआचियन और हेस्पेरियन काल (4.1 अरब से 3 अरब साल पहले) के दौरान, नदियों ने घाटियां बनाईं और वहां झीलें चमकती थीं। नोआचियन और हेस्पेरियन काल मंगल ग्रह के भूगर्भिक इतिहास के दो महत्वपूर्ण कालखंड हैं। नोआचियन काल में, मंगल ग्रह बड़े और छोटे दोनों तरह के गड्ढों से ढका हुआ था। हेस्पेरियन काल के दौरान, नोआचियन सतह पर और छोटे गड्ढे जमा हो गए, लेकिन हेस्पेरियन सतह भी उभरी और फिर बाद में केवल छोटे गड्ढे ही जमा हुए। नोआचियन काल लगभग 3.7 अरब वर्ष पहले समाप्त हुआ था, जबकि हेस्पेरियन काल लगभग 2.9 से 3.3 अरब वर्ष पहले समाप्त हुआ था। जैसे-जैसे मंगल का चुंबकीय क्षेत्र फीका पड़ता गया और उसका वायुमंडल क्षीण होता गया, ज़्यादातर सतही पानी गायब हो गया। कुछ अंतरिक्ष में गया, कुछ ध्रुवीय हिम क्षेत्रों (पोलर कैप्स) में जम गया और कुछ खनिजों में चला गया, जहां वो आज भी मौजूद है।

लेकिन वाष्पीकरण, बर्फ जमना और चट्टानें उस पूरे पानी का हिसाब नहीं दे सकतीं जो सुदूर अतीत में मंगल पर रहा होगा। गणनाओं से पता चलता है कि 'लुप्त' हो चुका पानी इतना है कि यह ग्रह को कम से कम 700 मीटर गहरे और शायद 900 मीटर तक गहरे समुद्र में ढक सकता है। एक परिकल्पना यह है कि गायब पानी सतह में रिस गया।

नोआचियन काल के दौरान मंगल ग्रह पर उल्कापिंडों की भारी बारिश हुई थी, जिससे दरारें बन गई होंगी, जिससे पानी भूमिगत हो गया होगा। सतह के पास जमी हुई पानी की परतों के विपरीत सतह के नीचे, गर्म तापमान पानी को तरल अवस्था में रखता होगा। साल 2018 में, नासा का 'इनसाइट' लैंडर सुपर-सेंसिटिव सीस्मोमीटर के साथ ग्रह के अंदरूनी हिस्से की हलचल का पता लगाने के लिए मंगल ग्रह पर उतरा।

नजरिया

सोशल मीडिया पर अब डिजिटल अराजकता

नृपेन्द्र अभिषेक नृप
मोबाइल : 9955818270

वर्तमान युग में सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति की आज़ादी को एक नया आयाम प्रदान किया है। यह एक ऐसा मंच बन गया है जहाँ कोई भी व्यक्ति अपने विचारों को सार्वजनिक रूप से प्रकट कर सकता है। लेकिन इसी स्वतंत्रता का एक विषैला रूप भी सामने आया है, जिसे हम विषैली ट्रोलिंग या टॉक्सिक ट्रोलिंग के रूप में जानते हैं। यह ट्रोलिंग केवल मजाक या आलोचना तक सीमित नहीं रहती, बल्कि यह अक्सर व्यक्तिगत हमलों, गाली-गलौज, चरित्र हनन और जान से मारने की धमकियों तक पहुँच जाती है। हाल ही में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री के खिलाफ हुई ट्रोलिंग और उनकी बेटी की 'डॉक्सिंग' की घटना ने इस मुद्दे को एक बार फिर से राष्ट्रीय विमर्श का विषय बना दिया है।

दस मई को जब विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने भारत और पाकिस्तान के बीच सभी सैन्य कार्रवाई को रोकने संबंधी सहमति की घोषणा की, तो उनका निजी एक्स (पूर्व ट्विटर) खाता घृणा से भर गया। उनकी बेटी को निशाना बनाकर की गई अभद्र टिप्पणियाँ यह दर्शाती हैं कि सोशल मीडिया की अराजकता किस हद तक पहुँच चुकी है। इस आक्रोश और ट्रोलिंग की पृष्ठभूमि में भारत द्वारा ऑपरेशन सिंधूर' की शुरुआत थी, जो 7 मई को उस आतंकी हमले के जवाब में किया गया जिसमें 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में 26 निर्दोष लोगों की जान गई थी। इस सैन्य कार्रवाई पर पाकिस्तान द्वारा फैलाए गए दुष्प्रचार और सोशल मीडिया पर किए गए 'डिसइंफॉर्मेशन ऑफेंसिव' के विरुद्ध सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने उचित प्रतिक्रिया दी, लेकिन जब देश के एक शीर्ष राजनयिक और उनकी बेटी को ऑनलाइन हिंसा का शिकार बनाया गया, तब वही मंत्रालय चुप्पी साधे रहा, जो हमारे संस्थागत दृष्टिकोण की खामियों को उजागर करता है।

भारत जैसे देश में जहाँ इंटरनेट की पहुँच तेज़ी से बढ़ रही है, वहीं डिजिटल साक्षरता की स्थिति बहुत चिंताजनक है। इसका सीधा असर सोशल मीडिया के प्रयोग पर पड़ा है। अधिकांश लोग यह नहीं समझते कि किसी की निजता में दखल देना, गालियाँ देना, या धमकियाँ देना अपराध की श्रेणी में आता है। इसके बावजूद प्लेटफॉर्म्स जैसे एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि पर नियमित रूप से नफरत भरे भाषण, मिथ्या सूचनाएँ और साइबर बुलीइंग की घटनाएँ देखी जाती हैं। यह विडंबना ही है कि जहाँ इन मंचों ने लोकतंत्र को अधिक भागीदारीपूर्ण बनाया, वहीं उन्होंने असभ्यता, कट्टरता और हिंसक प्रवृत्तियों को वैधता दे दी।

महिलाएँ, अल्पसंख्यक और वंचित समुदाय सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग के प्रमुख शिकार हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं को सबसे अधिक चरित्र हनन, बलात्कार की धमकी और व्यक्तिगत तस्वीरों के दुरुपयोग जैसी घटनाओं का सामना करना पड़ता है। इन ट्रोल्स की भाषा इतनी हिंसक और भयावह होती है कि यह मानसिक और शारीरिक तनाव का कारण बनती है। इसी संदर्भ में डॉक्सिंग यानि किसी व्यक्ति की निजी जानकारी को उनकी सहमति के बिना सार्वजनिक करना, एक अत्यंत गंभीर समस्या बन चुकी है। विक्रम मिस्री की बेटी के साथ हुआ यही अपराध, जिसमें उनकी व्यक्तिगत जानकारी लीक की गई, न केवल निजता के अधिकार का हनन है, बल्कि यह सीधा-सीधा साइबर अपराध भी है।

सवाल यह है कि इस बढ़ती विषैली ट्रोलिंग पर कैसे लगाम लगाई जाए? इसके लिए एक सख्त और स्पष्ट कानूनी ढांचे की आवश्यकता है। सरकार द्वारा प्रस्तावित डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन (डीपीडीपी) नियमावली 2025 इस दिशा में एक सकारात्मक कदम है। यह कानून यदि लागू हुआ तो व्यक्तिगत जानकारी के दुरुपयोग पर कठोर दंड का प्रावधान होगा। इसके अतिरिक्त, भारत में 'भारतीय न्याय संहिता' (बीएनएस) और 'सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम' के तहत साइबर बुलीइंग और डॉक्सिंग जैसे अपराधों से निपटने के कुछ प्रावधान पहले से मौजूद हैं, लेकिन उनकी प्रभावशीलता और त्वरित कार्यवाही की दर बहुत सीमित है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने 2024 के शाविया शर्मा बनाम भारत सरकार केस में स्पष्ट रूप से कहा था कि डॉक्सिंग जैसे कृत्यों को यदि समय रहते न रोका गया, तो यह निजता के अधिकार का सीधा उल्लंघन होगा। अदालत ने न केवल अपमानजनक सामग्री को शीघ्र हटाने के निर्देश दिए, बल्कि ऐसे खातों से संबंधित बुनियादी जानकारी को सार्वजनिक करने का आदेश भी दिया। यह निर्णय भारत की न्यायपालिका की संवेदनशीलता और डिजिटल अपराधों के प्रति उसकी सतर्कता को दर्शाता है।

आज जब हर तकनीकी कंपनी 'सर्विलांस' को प्राथमिकता दे रही है, तब यह अनिवार्य हो जाता है कि ऑनलाइन नफरत को रोकने के लिए प्लेटफॉर्म्स की जवाबदेही भी तय हो। सोशल मीडिया कंपनियाँ यह दावा करती हैं कि वे अभिव्यक्ति की आज़ादी को बढ़ावा देती हैं, परंतु जब उनकी ही साइट्स पर नफरत, झूठ और धमकियाँ दी जाती हैं, तब वे अक्सर मौन धारण कर लेती हैं या कम्युनिटी गाइडलाइंस के नाम पर कार्रवाई को टालती हैं। इस दोहरे मापदंड को बदलना होगा। उन्हें चाहिए कि ऐसे मामलों में स्पष्ट नियमों के तहत तेज़ कार्यवाही करें, पीड़ित की रिपोर्टिंग को प्राथमिकता दें, और ट्रोल्स की पहचान कर उन्हें प्रतिबंधित करें। वहीं, हमें यह भी समझना होगा कि विषैली ट्रोलिंग का उत्तर केवल कानून या तकनीकी उपायों से नहीं दिया जा सकता। इसके लिए समाज को भी जागरूक बनाना होगा। डिजिटल नागरिकता की शिक्षा, स्कूलों और कॉलेजों में अनिवार्य रूप से दी जानी चाहिए, ताकि युवा वर्ग ऑनलाइन व्यवहार की गरिमा को समझे। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि हम किसी को गाली दें, उसकी निजता भंग करें या उसे सार्वजनिक रूप से अपमानित करें। सोशल मीडिया पर संवाद करना सीखना होगा, तर्क और असहमति को स्थान देना होगा, न कि उन्हें चुप कराने के लिए हिंसक ट्रोलिंग का सहारा लेना।

इस पूरे परिदृश्य में एक गंभीर प्रश्न यह भी उठता है कि जब राष्ट्र के सर्वोच्च अधिकारी भी ट्रोलिंग के शिकार हो सकते हैं, तो आम नागरिक कैसे सुरक्षित महसूस करेगा? यदि विक्रम मिस्री जैसे वरिष्ठ और प्रतिष्ठित अधिकारी की बेटी को ट्रोलिंग से नहीं बचाया जा सकता, तो आम महिलाओं और लड़कियों की स्थिति की कल्पना करना भी भयावह है। इसका समाधान केवल कड़े कानूनों में नहीं, बल्कि एक सामाजिक आंदोलन में है - जिसमें हम सभी अपनी जिम्मेदारी समझें, दूसरों के विचारों का सम्मान करें, और असहमति को हिंसा का माध्यम न बनाएं। इसलिए यह समय है कि हम सोशल मीडिया के वर्तमान स्वरूप पर गहन मंथन करें। सरकार को चाहिए कि वह जल्द से जल्द डीपीडीपी कानून लागू करे, साइबर अपराधों से निपटने के लिए विशेष त्वरित ट्रिब्यूनल बनाए और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर कठोर निगरानी रखे। वहीं नागरिक समाज को भी यह समझना होगा कि किसी भी स्वतंत्रता का सबसे पहला साथी जिम्मेदारी होता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र की आत्मा है, लेकिन यदि उसे नफरत और हिंसा के औजार के रूप में प्रयोग किया जाए, तो वह स्वतंत्रता नहीं, अराजकता बन जाती है। अब हमें यह स्वीकार करना होगा कि डिजिटल युग में हमारी नैतिक जिम्मेदारियाँ पहले से कहीं अधिक बढ़ गई हैं। हम न केवल अपने शब्दों, बल्कि अपने 'लाइक', 'शेयर' और 'कमेंट' के ज़रिए भी समाज को प्रभावित करते हैं। इसलिए, अगली बार जब हम किसी पर टिप्पणी करें या किसी पोस्ट को साझा करें, तो यह जरूर सोचें कि क्या वह टिप्पणी किसी की गरिमा को ठेस पहुँचाएगी, या किसी का जीवन संकट में डाल सकती है। सोशल मीडिया का उपयोग यदि हम विवेक और संवेदनशीलता से करें, तो यह एक ताकतवर लोकतांत्रिक माध्यम बन सकता है; अन्यथा यह एक जहरीला दलदल बन जाएगा जो सभ्यता को निगल जाएगा।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आंखों में पानी और जुबां पर राधे-राधे : प्रेमानंद महाराज के सामने नतमस्तक हुए विराट कोहली

मथुरा/एजेन्सी

टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद मंगलवार को विराट कोहली अपनी पत्नी, अभिनेत्री अनुष्का शर्मा के साथ कृष्णनगरी मथुरा पहुंचे, जहां उन्होंने संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया। सात मिनट की मुलाकात के दौरान प्रेमानंद जी ने उन्हें सुखी रहने का मंत्र भी दिया। इस दौरान 'विरुष्का' की आंखों में पानी और जुबां पर राधे-राधे था। टेस्ट मैच से संन्यास लेने के बाद विराट-अनुष्का ने संत प्रेमानंद महाराज का आशीर्वाद लिया और अध्यात्म पर चर्चा की। वृंदावन स्थित राधाकेलीकुंज आश्रम पहुंचे 'विरुष्का' उनके सामने नतमस्तक नजर आए। महाराज जी ने उन्हें अध्यात्म का महत्व समझाते हुए सुखी रहने का मंत्र भी दिया। सेलिब्रिटी जोड़ी आश्रम में सात मिनट से ज्यादा रही, हालांकि, वे मीडिया से दूरी बनाते नजर आए। वे अपनी इनोवा से संत प्रेमानंद जी के आश्रम पहुंचे थे। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में प्रेमानंद महाराज सबसे पहले विराट-अनुष्का को बैठने के लिए कहते हैं और फिर पूछते हैं कि प्रसन्न तो हो? इस पर दोनों सिर हिलाकर कहते हैं, हां। इसके बाद महाराज कहते हैं कि हां, ठीक ही रहना चाहिए। इसके बाद प्रेमानंद जी महाराज कहते हैं, हम आपको अपने प्रभु का विधान बताते हैं कि जब प्रभु किसी पर कृपा करते हैं तो क्या होता है। वैभव मिलना कृपा नहीं है, यह पुण्य है। पुण्य से एक घोर पापी को भी बल मिल जाता है, पाप करके भी उनका कोई पुण्य है जिसे वह भोग रहा है। ये वैभव या यश का बढ़ना भगवान की कृपा नहीं मानी जाती है। अंदर के चिंतन से ही सबकुछ बदलता है। इससे आपके कई जन्मों के कर्म भस्म हो जाते हैं और अगला जो आता है, वह उत्तम होता है। उन्होंने बताया, आज के समय में लोग केवल बाहरी चिंतन देखते हैं, अंदर के चिंतन पर कोई ध्यान नहीं देता है। कोई विरला ही इस पर ध्यान देता है। भगवान जब कृपा करते हैं तो संत समागम होता है। उनकी कृपा होने से अंदर से रास्ता मिलता है, जिसे शांति का रास्ता कहते हैं। बिना किसी लोभ के इंसान सरल बन जाता है और उसमें वैराग्य की भावना आ जाती है।

उन्होंने कहा, बिल्कुल ऐसे रहो जैसे रह रहे हो, सांसारिक बनकर रहो, लेकिन अंदर का चिंतन आपका बदल रहा है। अंदर के चिंतन में आपके यश की भावना न रह जाए। अंदर के चिंतन में आपको धन बढ़ाने की भावना न रह जाए। अंदर का चिंतन हो कि हे प्रभु, इस जन्म में बहुत समय व्यतीत हो गया। अब एक बार आपसे मिलना चाहते हैं। प्रभु, मुझे आप चाहिए, अब संसार नहीं... तो बात बन जाएगी। तो इसलिए आनंदपूर्वक भगवान का नाम जप करो। कोहली इससे पहले भी प्रेमानंद जी से मुलाकात के लिए मथुरा जा चुके हैं। यह तीसरी बार है जब वह संत प्रेमानंद से मुलाकात के लिए पहुंचे हैं।

इंदिरा गांधी जीवित होतीं तो पूछा जाता कि शिमला समझौते में उन्होंने पीओके क्यों नहीं वापस लिया: हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि अगर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी आज जीवित होतीं, तो वह उनसे पूछते कि उन्होंने शिमला समझौते में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को वापस क्यों नहीं लिया या 1971 के युद्ध में भारत की जीत के बाद 'चिकन नेक कॉरिडोर' (सिलीगुड़ी गलियारा) को 100 मील तक क्यों नहीं बढ़ाया।

यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि कांग्रेस को दोनों देशों द्वारा सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति के संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सवाल करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, ''हमारी सेना ने 1971 का युद्ध जीता था। अगर इंदिरा गांधी आज जीवित होतीं तो मैं उनसे पूछता कि उन्होंने इस्लामिक राष्ट्र के निर्माण की अनुमति क्यों दी। उन्होंने शिमला समझौते में पीओके को वापस क्यों नहीं लिया? सिलीगुड़ी गलियारे की चौड़ाई 100 मील से ज्यादा करने के लिए बांग्लादेश से बातचीत क्यों नहीं की।''

पाकिस्तान के साथ सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति का बचाव करते हुए शर्मा ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' का उद्देश्य आतंकी नेटवर्क को नष्ट करना था और इसे छह मई की रात को ही सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा, ''इसके बाद पाकिस्तान ने आतंकवादियों की ओर से जवाबी कार्रवाई की और भारत ने बहुत बहादुरी से उसका जवाब दिया।

जश्न

महाराष्ट्र बोर्ड एसएससी कक्षा 10वीं के परिणाम घोषित होने के बाद छात्र मिठाई खिलाकर अपनी सफलता का जश्न मनाते हुए।

गेल (इंडिया) लि. ने अपना सर्वोच्च ईबीआईटीडीए, पीबीटी और पीएटी दर्ज किया

नई दिल्ली/दक्षिण भारत। गेल (इंडिया) लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक संदीप कुमार गुप्ता ने कहा कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 के दौरान शानदार प्रदर्शन किया है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में चुनौतियों के बावजूद कंपनी के लिए यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, जिसमें इसने अभूतपूर्व वित्तीय उपलब्धियां हासिल की हैं। गेल के इतिहास में अब तक का सबसे ज्यादा ईबीआईटीडीए, पीबीटी और पीएटी हासिल हुआ है।

निदेशक मंडल ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 1 रु. प्रति इक्विटी शेयर (प्रति इक्विटी शेयर 10 रु. अंकित मूल्य) के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है, जो आगामी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है। यह 6.50 रु. प्रति इक्विटी शेयर के अंतरिम लाभांश के अतिरिक्त है। परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष के लिए लाभांश भुगतान अनुपात 43.59 प्रतिशत है।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 के दौरान 10,512 करोड़ रु. का पूंजीगत व्यय किया है। गेल (इंडिया) लि. ने वित्त वर्ष 2025 में 1,37,288 करोड़ रु. का परिचालन राजस्व दर्ज किया, जबकि वित्त वर्ष 2024 में यह 1,30,638 करोड़ रु. था। वित्त वर्ष 2025 में ईबीआईटीडीए 19,168 करोड़ रु. रहा, जबकि वित्त वर्ष 2024 में यह 15,583 करोड़ रु. था।

वित्त वर्ष 2025 में कर-पूर्व लाभ (पीबीटी) 14,825 करोड़ रु. रहा, जबकि वित्त वर्ष 2024 में यह 11,555 करोड़ रु. था। वित्त वर्ष 2025 में कर-पश्चात लाभ (पीएटी) 11,312 करोड़ रु. रहा, जबकि वित्त वर्ष 2024 में यह 8,836 करोड़ रु. था। वर्ष के दौरान, प्राकृतिक गैस ट्रांसमिशन मात्रा में 6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह 127.32 एमएमएससीएमडी हो गई, जबकि वित्त वर्ष 24 में यह 120.46 एमएमएससीएमडी थी। वित्त वर्ष 2025 में गैस विपणन मात्रा 101.49 एमएमएससीएमडी रही, जबकि वित्त वर्ष 2024 में यह 98.45 एमएमएससीएमडी थी।

सऊदी अरब के युवराज सलमान ने ट्रंप का देश में पहुंचने पर स्वागत किया

रियाद/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पश्चिम एशिया के चार दिवसीय दौरे पर मंगलवार को सऊदी अरब पहुंचे और उन्होंने युवराज मोहम्मद बिन सलमान से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को खत्म कराने, गाजा में युद्ध समाप्त कराने और तेल की कीमतों को नियंत्रण में रखने के अमेरिका के प्रयासों को लेकर बातचीत की।

ट्रंप सऊदी अरब की राजधानी के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अपने एयर फोर्स वन विमान से उतरे और उनकी पश्चिम एशिया की यात्रा शुरू हुई। इस दौरान युवराज सलमान ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद दोनों नेता रियाद हवाई अड्डे पर एक बड़े हॉल में गए, जहां ट्रंप और उनके साथ आए लोगों को परंपरागत अरेबिक कॉफी परोसी गई। ट्रंप का एयर फोर्स वन विमान जब रियाद पहुंचा, तो रॉयल सऊदी एयर फोर्स के एफ-15 विमानों ने उसे एस्कॉर्ट किया।

ट्रंप और युवराज सलमान रॉयल कोर्ट में दोपहर के भोज में शामिल हो रहे हैं, जिसमें मेहमान और सहयोगी भी शामिल हैं।

इस समारोह में अनेक उद्यमियों को भी आमंत्रित किया गया है, जिनमें ब्लैकस्टोन ग्रुप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) स्टीफन श्वार्जमैन, ब्लैकरॉक के सीईओ लैरी फिंक और टेस्ला तथा स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क शामिल हैं।

युवराज सलमान आज ट्रंप के सम्मान में रात्रिभोज भी देंगे। ट्रंप मंगलवार को अमेरिका-सऊदी निवेश सम्मेलन में भी भाग ले सकते हैं।

सऊदी अरब के निवेश मंत्री खालिद अल-फालिह ने कहा, ''जब सऊदी और अमेरिकी मिलते हैं, तो बहुत अच्छी चीजें होती हैं। ऐसा अक्सर नहीं होता, लेकिन बड़ी चीजें होती हैं।

फिल्म 'केसरी वीर' का गाना 'पिघल कर पनाहों में' रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म केसरी वीर: लीजेंड्स ऑफ़ सोमनाथ का तीसरा गाना 'पिघल कर पनाहों में' रिलीज़ हो गया है। सुनील शेट्टी, विवेक ओबेरॉय, सूरज पंचोली और डेब्यूटेंट आकांक्षा शर्मा स्टारर केसरी वीर का तीसरा गाना 'पिघल के पलों में' रिलीज़ हो गया है। यह गाना सूरज पंचोली और आकांक्षा शर्मा के बीच फिल्माया गया है। 'पिघल के पनाहों में' को शान और नीति मोहन ने गाया है। इस गाने को मॉन्टी शर्मा ने कंपोज किया है, और इसके बोल मॉन्टी शर्मा एवं संचारी सेनगुप्ता ने लिखे हैं। गाना पैनोरमा म्यूज़िक लेबल के तहत रिलीज़ हुआ है। प्रिंस धीमान के निर्देशन में बनी फिल्म केसरी वीर: लीजेंड्स ऑफ़ सोमनाथ, कनु चौहान द्वारा चौहान स्टूडियोज के बैनर तले निर्मित है। पैनोरमा स्टूडियोज द्वारा वर्ल्डवाइड रिलीज़ की जा रही यह फिल्म एक्शन, इमोशन और ड्रामा से भरपूर है, और 23 मई को दुनियाभर में दर्शकों को रोमांचित करने आ रही है।

फिल्म 'गॉड फादर' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार खेसारीलाल यादव की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'गॉड फादर' का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म गॉड फादर की नायिका यामिनी सिंह हैं, जिनके साथ खेसारीलाल यादव की केमिस्ट्री बेहद प्रभावशाली और मनमोहक दिख रही है। ट्रेलर में यामिनी सिंह के किरदार को भी खास तवज्जो दी गई है, जो फिल्म में एक मजबूत महिला के रूप में उभरती नजर आती हैं। 'गॉड फादर' का निर्देशन पराग पाटिल ने किया है। इस फिल्म की कहानी लेखक प्राण नाथ ने तैयार की है। यह फिल्म तकनीशियन फिल्म फैक्टरी के बैनर तले बनी है और इसके निर्माता पराग पाटिल, राकेश रोशन सिंह और सुबोध सेठ हैं। प्रस्तुति रत्नाकर कुमार और खेसारीलाल यादव की है। फिल्म के सह-निर्माता कुलदीप श्रीवास्तव हैं और कार्यकारी निर्माता रिज़वान हैं। फिल्म में संगीत कृष्णा बेदर्दी का है, जिन्होंने गीत भी लिखे हैं। डीओपी आर.आर. प्रिंस, संपादन प्रवीण एस राय द्वारा किया गया है, जबकि कोरियोग्राफी कनु मुखर्जी और सोनू प्रीतम ने की है। फिल्म के एक्शन दृश्य फाइट मास्टर मलेश के निर्देशन में तैयार किए गए हैं, जो ट्रेलर में दमदार दिखते हैं। 'गॉड फादर' का ट्रेलर टाइम्स म्यूजिक भोजपुरी के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। इस फिल्म में आस्था सिंह, संजय पांडे, विनोद मिश्रा, जे. नीलम, निशा तिवारी और सुबोध सेठ भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।

'लकड़बग्घा 3' की शूटिंग चिली में करने पर विचार कर रहे हैं अंशुमन झा

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म निर्माता और अभिनेता अंशुमन झा अपनी आने वाली फिल्म लकड़बग्घा 3 की शूटिंग चिली में करने पर विचार कर रहे हैं। चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक फोंट ने हाल ही में मुंबई का एक संक्षिप्त दौरा किया। इस दौरान अंशुमन झा ने राष्ट्रपति और चिली के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की।इस बातचीत में बॉलीवुड फिल्मों के ज़रिए चिली की सांस्कृतिक विविधता को पर्दे पर लाने की संभावनाओं पर चर्चा हुई। अंशुमन झा ने हाल ही में लकड़बग्घा 2 की शूटिंग इंडोनेशिया में पूरी की है, जो इंडोनेशिया सरकार की आधिकारिक मंज़ूरी के साथ बनने वाली पहली भारतीय फिल्म है। अब वे इस एक्शन फिल्म फ्रेंचाइज़ी के तीसरे भाग लकड़बग्घा 3 की शूटिंग चिली में करने पर विचार कर रहे हैं। अंशुमन झा ने कहा, मैं थिएटर से आता हूं, इसलिए कला के ज़रिए किसी भी सांस्कृतिक आदान-प्रदान का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत रोमांचक होता है। आज की दुनिया में जहां विभाजन की ताकतें बढ़ रही हैं, ऐसे में एक ऐसे राष्ट्राध्यक्ष से मिलना बहुत प्रेरणादायक है जो कला के ज़रिए एकता और संवाद को बढ़ावा देना चाहते हैं। गेब्रियल बोरिक फोंट से मिलना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान था। मुझे उम्मीद है कि हम उनके इस सपने को साकार करने में मदद कर पाएंगे, जिससे चिली की सुंदरता को हम अपने सिनेमा के माध्यम से दुनिया के सामने ला सकें।

वीर हनुमान में शनिदेव की भूमिका को निभाना बेहद अर्थपूर्ण अनुभव रहा : ऋषभ पवार

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता ऋषभ पवार ने कहा है कि सोनी सब के 'वीर हनुमान' में शनिदेव की भूमिका निभाना उनके लिये बेहद अर्थपूर्ण अनुभव रहा है। सोनी सब का शो वीर हनुमान दर्शकों को युवा मारुति की अद्भुत यात्रा एक जिज्ञासु बालक से लेकर शक्तिशाली और दिव्य योद्धा, भगवान हनुमान बनने तक की प्रेरणादायक कथा के माध्यम से लगातार मोहित कर रहा है। हाल के एपिसोड्स में दर्शकों ने देखा कि हनुमान पांच आध्यात्मिक चरणों से गुजरने की तैयारी करते हैं। इसी दौरान शनिदेव (ऋषभ पवार) की छाया किष्किंधा पर पड़ती है, जिससे अप्रत्याशित चुनौतियां सामने आती हैं। आगामी एपिसोड्स में एक बड़ा मोड़ आता है, जब शनिदेव एक ऋषि का वेश धारण कर भगवान हनुमान की परीक्षा लेते हैं। इस चुनौती के पीछे छिपे वास्तविक स्वरूप से अनजान, हनुमान इसे अपार भक्ति और दृढ़ संकल्प के साथ पूर्ण करते हैं। उनके साहस और धर्मनिष्ठा से प्रभावित होकर शनिदेव उन्हें वरदान स्वरूप शक्तिशाली कौमौदकी गदा प्रदान करते हैं।

वीर हनुमान में शनिदेव की भूमिका निभा रहे ऋषभ पवार ने कहा, यह दृश्य युवा हनुमान की निष्ठा को अत्यंत सुंदरता से दर्शाता है। आज के व्याकुल संसार में, भगवान हनुमान का ध्यान, अनुशासन और कर्तव्यबोध यह स्मरण कराते हैं कि सच्ची शक्ति केवल बाहुबल में नहीं, बल्कि चरित्र में निहित होती है। शनिदेव की इस महत्वपूर्ण भूमिका को निभाना, जिसमें वे हनुमान की मर्यादाओं की परीक्षा लेते हैं, मेरे लिए बेहद अर्थपूर्ण अनुभव रहा। यह शो दर्शकों को यह प्रेरणा देता है कि चाहे यात्रा कितनी भी कठिन क्यों न हो, अपने मूल्यों के प्रति अडिग रहना चाहिए। वीर हनुमान, सोमवार से शनिवार, रात 7:30 बजे, सिर्फ सोनी सब पर प्रसारित होता है।

अभी मैं खुद को लेखक नहीं कहूंगी : सोनाली बेंद्रे

नई दिल्ली/भाषा

हाल ही में अपनी दूसरी पुस्तक 'ए बुक ऑफ बुक्स' लिखने वाली अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे का कहना है कि उनके मन में लेखकों के लिए 'बहुत अधिक सम्मान' है और जब तक वह कम से कम 20 किताबें नहीं लिख लेतीं तब तक वह खुद को लेखक नहीं कहेंगी। 'दिलजले', 'मेजर साब', 'सरफरोश', 'जख्म' और 'हम साथ-साथ हैं' जैसी फिल्मों के लिए मशहूर बेंद्रे ने कहा कि मशहूर होने के नाते उन्हें लिखने और सार्थक बातचीत में शामिल होने का 'विशेषाधिकार' मिलता है, हालांकि वह अभी भी खुद को मुख्य रूप से एक अभिनेत्री के रूप में ही देखती हैं। बेंद्रे ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, ''मैं खुद को लेखक तभी कहूंगी जब मैं 20 किताबें लिख लूंगी। उससे पहले में खुद को लेखक नहीं कह सकती। मेरे मन में लेखकों के लिए बहुत सम्मान है - वे क्या करते हैं, वे किस तरह लिखते हैं, एक लेखक किस तरह आपको कहीं ले जाता है, वे किस तरह आपको सोचने पर मजबूर करते हैं; यह सब केवल एक लेखक ही कर सकता है।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए, मैंने कभी भी खुद को लेखक के रूप में नहीं सोचा। मैंने हमेशा खुद को एक अभिनेत्री के रूप में देखा है, लेकिन यह एक रचनात्मक क्षेत्र है। मैं एक रचनात्मक महिला हूं और आप अपनी रचनात्मकता को कई तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं।'' किताबों के प्रति अभिनेत्री के जुनून ने उन्हें 'सोनाली बुक क्लब' शुरू करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने 2015 में 'द मॉडर्न गुरुकुल : माई एक्सपेरिमेंट विद पैरेंटिंग' के साथ अपने लेखन की शुरुआत की। उनकी नवीनतम किताब 'ए बुक ऑफ बुक्स' ऐसी पुस्तक है जो पढ़ने के शौकीनों के साथ पढ़ने की कम इच्छा रखने वाले सभी तरह के लोगों के लिए महत्वपूर्ण हैं।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

स्वाभिमान गिरवी रखकर प्राप्त किया हुआ सोना, चांदी, महल भी मिट्टी के समान है और स्वाभिमान की सूखी रोटी भी पांच पकवान से बढ़कर है। जिस व्यक्ति के जीवन में देश के प्रति स्वाभिमान नहीं होता वह जिंदा भी मुर्दे के समान है। स्वाभिमान ही धर्म का प्रवेश द्वार है, इसके बिना कितना ही दान, त्याग, तपस्या की जाएं, सब व्यर्थ हैं। यहां तक कि यदि संत भी बन जाए तो भी विश्व के किसी धर्म में प्रवेश नहीं हो सकता है। विश्व के सभी महापुरुषों ने स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपना तन, मन, धन सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

'राष्ट्र-प्रथम' की भावना हर एक युवक-युवती के मन में होनी चाहिए : महेन्द्र मुणोत

कॉलेज के विद्यार्थियों को मुणोत ने किया सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चन्नपटना। शहर के सरकारी फर्स्ट ग्रेड कॉलेज में भाषा सौरभ आल लेंगुएज फोरम द्वारा अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसका पुरस्कार वितरण कार्यक्रम मंगलवार को सम्पन्न हुआ।

इस मौके पर अतिथि वक्ता के रूप में जैन विश्वविद्यालय की आंग्ल विभाग की सहप्राध्यापिका डॉ. मेकला वेंकटेश उपस्थित थीं तथा मुख्य अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज की प्राचार्या प्रोफेसर उषामालिनी ने की। अतिथि वक्ता डा. मेकला वेंकटेश ने रोजगार के लिए भाषाकौशल की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के लिए भाषाकौशल का बहुत महत्त्व है और डिग्री के पश्चात नौकरी पाने के लिए इसकी आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने अपनी भाषा कौशल के साथ भाषण शुरू करते विद्यार्थियों से कहा कि हर एक विद्यार्थी को अपने उद्देश्य की साधना के लिए अविरत अभ्यास करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र प्रथम की भावना हर एक युवक-युवती के मन में होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को अपने जीवन में भाषाकौशल का विकास करके अपनी मंजिल को पाना चाहिए, साथ ही राष्ट्रीय अस्मिता को बरकरार बनाए रखना चाहिए।

कार्यक्रम में अंतिम वर्ष की छात्रा उमा जे. ने सभी का स्वागत किया। मुस्रीन फर्हत ने अंग्रेजी में स्वागत गीत गाए। अतिथियों द्वारा 'भाषा-सौरभ-द फोरम' के लोगों का विमोचन किया गया । आरंभ में डा. वीएच राजशेखर ने स्वागत किया।

डा. आनंद केडी ने अतिथि वक्ता का व प्रोफेसर प्रभु उपासे ने महेंद्र मुणोत का संक्षिप्त परिचय दिया। मुख्य अतिथि के वक्तव्य के बाद पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न हुआ जिसमें डा. अनुराधा एचआर ने कार्यक्रम का संचालन किया। समापन समारोह में प्राचार्य प्रो. उषामालिनी ने अपना अध्यक्षीय भाषण दिया। मारुति मेडिकल्स, विजयनगर द्वारा प्रायोजित पुरस्कारों का वितरण अतिथि महेन्द्र मुणोत ने किया।

एसपीआर सिटी में विद्यार्थियों हेतु कैरियर परामर्श कार्यक्रम का आयोजन 18 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एसपीआर सिटी में 12वीं कक्षा से उत्तीर्ण तथा उच्च शिक्षा की तैयारियो हेतु प्रयासरत विद्यार्थियों के लिए कैरियर (रोजगार) मार्गदर्शन हेतु एक शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिससे विद्यार्थी उच्च शिक्षा के उपरांत रोजगार के विभिन्न अवसरों, सरकारी सेवाओं, प्रशासनिक सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी हासिल कर अपने पसन्द के क्षेत्रों का चुनाव कर आगे बढ़ सकेंगे। यह कार्यक्रम एसपीआर सिटी के बैंक्वेट हॉल में दोपहर 2 बजे से आयोजित होगा।

विद्यार्थियों को कैरियर मार्गदर्शन देने हेतु तमिलनाडु के सेवानिवृत्ति आईपीएस अधिकारी डॉ. सी शैलेंद्र बाबू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होंगे। इसके साथ ही वाणिज्य में कैरियर बनाने की चाह रखने वाले विद्यार्थियों के मार्गदर्शन हेतु कई वाणिज्य विषय विशेषज्ञ भी उपस्थित रहेंगे। अधिक जानकारी हेतु मोबाइल क्रमांक 6381295191 पर संपर्क किया जा सकता है।

दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ पर धूमधाम से मनाया गया वैशाख पूनम मेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अरसीकेरे। दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ अरसीकेरे प्रांगण में वैशाख पूनम मेला का आयोजन धूमधाम से किया गया जिसका लाभ बेंगलूरु निवासी सुरेशकुमार प्रीतम सुन्देशा मेहता परिवार ने लिया। बेंगलूरु से रेल यात्रा द्वारा बड़ी संख्या में श्रद्धालु अरसीकेरे पहुंचे तथा पार्श्व भैरव महापूजन का लाभ लिया। तुषार गुरुजी ने मंत्रोच्चार सहित विधि विधान करवाएं। संभव संगीत मंडल द्वारा मधुर संगीत की प्रस्तुति दी गई। भजन गायक दिलखुश बाफना के साथ प्रकाश राठौड़, रिंकु बाफणा एवं प्रेमलता ने भजनों की प्रस्तुति दी। पूजन के पश्चात भैरवदेव को परंपरागत छप्पनभोग, 108 श्रीफल, पुष्प अर्पण एवं तेल चढ़ाने का कार्य लाभार्थी परिवारों द्वारा किया गया। भूषण जैन के संयोजन में राष्ट्रीय भैरव भक्त परिवार के तत्वावधान में बेंगलूरु से संघ का आयोजन किया गया। कर्नाटक के अनेक शहरों सहित आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने लाभार्थी परिवारों का सम्मान किया। इस अवसर पर अजयराज संचेती, महेंद्र सोलंकी, राहुल कल्पवृक्ष, राजेश बंदामुथा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

पूर्णिमा पर्व जप-तप-त्याग से पूर्वक मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट के स्वाध्याय भवन में पूर्णिमा पर्व जप-तप-त्याग पूर्वक मनाया गया। श्रद्धालुओं द्वारा आलोयणा का पाठ किया गया। चतुर्दशी के प्रसंग पर तपस्वी कांतिलाल तातेड़ ने अष्ठ प्रहर का पौषध व श्रावक संघ तमिलनाडु के निवर्तमान कोषाध्यक्ष प्रकाशचंद ओस्तवाल ने चार प्रहर के पौषध की आराधना की इस प्रसंग पर स्वाध्यायी योगेश श्रीश्रीमाल ने प्रतिक्रमण करवाया। आर वीरेन्द्र कांकरिया ने आचार्य हस्ती की कृति जैन धर्म का मौलिक इतिहास में वर्णित संस्मरणों का उल्लेख किया।रुपराज सेठिया, गौतमचन्द मुणोत, अम्बालाल इंदरचंद कर्णावट, कमल चोरडिया, वीरेन्द्र ओस्तवाल, उच्छब राज गांग, पदमचन्द दीपक योगेश श्रीश्रीमाल आदि सदस्य सामायिक परिवेश में उपस्थित थे। श्रावक संघ, तमिलनाडु के निवर्तमान कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने कहा कि आज की तिथि पर 51 वर्षों पूर्व जोधपुर के स्टेडियम में आचार्य पूज्यश्री हस्तीमल म.सा के मुखारविन्द से महेन्द्रमुनिजी म.सा ने जैन भागवती दीक्षा ली थी और वर्तमान में आचार्य पूज्यश्री हीराचंद्र म.सा के सान्निध्य में श्रद्धेय महेन्द्रमुनिजी म.सा रत्न संघ के भावी आचार्य के रूप में साधना करते हुए स्व व पर के कल्याण में जिनशासन की महती प्रभावना कर रहे हैं। पूर्णिमा के प्रसंग पर इंदरचंद कर्णावट उम्मेदमल बागमार आर नरेन्द्र कांकरिया लीलमचन्द बागमार कांतिलाल तातेड़ ने प्रतिक्रमण करते हुए सर्व जीव राशि से क्षमायाचना की। स्वाध्यायी बादलचन्द बागमार ने प्रतिक्रमण कराया। जैन संकल्प,गुरु भगवन्तों की सुखसाता पृच्छा पाठ,वन्दन व मांगलिक के साथ पूर्णिमा पर्व संपन्न हुआ।

चंद्रप्रभु कामधेनु गौशाला ट्रस्ट की नई कार्यकारिणी समिति का हुआ गठन

राजवंती बनीं नई अध्यक्ष व राधा बनीं मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गोड़वाड़ भवन हॉल में स्थानीय चंद्रप्रभु कामधेनु गौशाला ट्रस्ट की नई कार्यकारिणी समिति का गठन हुआ जिसमें चेयरपर्सन पद पर शारदा चौधरी बनी रहीं। नए अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी राजवंती संचेती और राधा गुलेच्छा को मंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। प्रभा गुलेच्छा व मधु तातेड़ को उपाध्यक्ष, अरुणा जैन को सहमंत्री, चन्द्रिका भंडारी को कोषाध्यक्ष व मोनिका कुमट को प्रचार मंत्री बनाया गया। पुरानी कार्यकारिणी समिति ने नए पदाधिकारियों को पदभार सौंपा। शारदा चौधरी ने सभी नई पदाधिकारियों को एकजुट होकर सभी को साथ लेकर गौशाला के कार्य करने की सलाह दी। पुष्पा जैन व नंदा जैन ने सहयोग की बात करते हुए गौशाला और वैयावच्च के कार्य को गति प्रदान करने की बात कही।

नई अध्यक्ष राजवंती संचेती ने अपने चयन के लिए सभी को धन्यवाद दिया और सहयोग की अपील की। उन्होंने गौशाला की गतिमान गतिविधियों की जानकारी दी। नई मंत्री राधा गुलेच्छा ने गौशाला के नियमों की जानकारी दी। अरुणा जैन ने सभी को धन्यवाद दिया।

ऑल्ट न्यूज के सह-संस्थापक जुबैर ने धमकी मिलने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। फैक्ट-चेक (तथ्यों का अन्वेषण) करने वाली वेबसाइट ऑल्ट न्यूज के सह-संस्थापक मोहम्मद जुबैर ने कहा कि एक सोशल मीडिया मंच पर उनके घर का पता और मोबाइल नंबर कथित तौर पर लीक होने के बाद धमकी मिलने पर उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

हालांकि, पुलिस ने कहा कि अभी तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। जुबैर ने सोमवार रात 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि लोगों ने उनके घर का पता और मोबाइल नंबर लीक कर दिया है और उनके पते पर सूअर का मांस भेजने की धमकी दी है।

उन्होंने अपनी पोस्ट में कहा, मुझे पहले से ही जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। यह पहली बार नहीं है।

2023 में इसी व्यक्ति ने मेरे पते पर सूअर का मांस भेजा था और मेरा पता ट्विटर पर साझा किया था। मैंने पुलिस (डीसीपी पूर्व) के समक्ष शिकायत दर्ज करा दी है। भरोसा है कि कर्नाटक के डीजीपी कम से कम इस बार इस धमकी को गंभीरता से लेंगे।''

उन्होंने दावा किया कि जब उन्होंने पिछली बार इसी तरह की शिकायत दर्ज कराई थी, तो कुछ महीनों के बाद प्राथमिकी बंद कर दी गई थी। उन्होंने उन हैंडल को भी साझा किया, जिनसे उनका व्यक्तिगत पता और मोबाइल नंबर लीक किया गया था।

जुबैर ने कहा, मुझे और उस पते पर रह रहे मेरे परिवार को धमकी मिली हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, हमें इस संबंध में उनसे शिकायत मिली है। लेकिन अभी तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। शिकायत को आर टी नगर पुलिस थाने के अधिकार क्षेत्र में स्थानांतरित कर दिया जाएगा क्योंकि वह वहीं रहते हैं।

केनरा बैंक ने केनरा ट्रूऐज बचत और चालू खाता लॉन्च किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत के प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक, केनरा बैंक ने मंगलवार को केनरा ट्रूऐज के महत्वपूर्ण लॉन्च की घोषणा की, जो चालू और बचत खातों का एक विशेष और सुविधा संपन्न उत्पाद है। विश्वास से प्रगति, श्रेष्ठता से नेतृत्व टैगलाइन के साथ, यह नई पेशकश देश भर में संस्थागत ग्राहकों की एक विस्तृत श्रृंखला की अनूठी और उभरती बैंकिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन की गई है, जिसमें स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और धार्मिक संगठनों जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र, साथ ही अन्य गैर-व्यक्तिगत संस्थाएँ शामिल हैं। स्थिर जमा वृद्धि और दीर्घकालिक बैंकिंग साझेदारी को बढ़ावा देने में इन संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकारते हुए, केनरा बैंक ने ग्राहक वर्ग को बढ़ाने और उनके विशिष्ट परिचालन और वित्तीय कार्यप्रवाह के अनुरूप समाधान प्रदान करने के लिए केनरा ट्रूऐज विकसित किया है।

उत्पाद समूह एक सामान्य बाधा को दूर करके शुरू होता है, जो औपचारिक शुरुआत के लिए सुविधाजनक शून्य प्रारंभिक जमा आवश्यकता प्रदान करता है। जैसे-जैसे खाते की शेष राशि धीरे-धीरे बढ़ती है, संबंधित लाभ आनुपातिक रूप से बढ़ते हैं। केनरा ट्रूऐज एक समूह पारिस्थितिकी तंत्र के दृष्टिकोण को बढ़ावा देकर पारंपरिक बैंकिंग से आगे बढ़ रहा है। यह संस्थागत संचालन को सुव्यवस्थित करने, दक्षता बढ़ाने और बाजार में एक विशिष्ट प्रतिस्पर्धी लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से आवश्यक डिजिटल और भौतिक बैंकिंग समाधानों को सामरिक रूप से एकीकृत करता है।

समारोह

कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एसवी सुरेश के साथ डॉ. केसी नारायणस्वामी, डॉ. केपी रागु प्रसाद और डॉ. वाईएन शिवलिंगैया, यूएएस के 59वें दीक्षांत समारोह में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान।

साधुमार्गी जैन संघ ने सोनावत परिवार के तीन मुमुक्षुओं का किया सम्मान

एक ही परिवार से मां और उनके दो पुत्र बीकानेर में लेंगे दीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय साधुमार्गी जैन संघ द्वारा भीनासर निवासी हैदराबाद प्रवासी एक ही परिवार की मां व उनके 2 पुत्र, कुल तीन मुमुक्षु रेखा सोनावत, मुमुक्षु मयंक सोनावत व मुमुक्षु हार्दिक सोनावत का गोड़वाड़ जैन भवन में सम्मान समारोह संपन्न हुआ।

तीनों मुमुक्षुओं की जैन भागवती दीक्षा आचार्यश्री रामेशजी के सान्निध्य में 4 जून को बीकानेर में संपन्न होगी। अभिनंदन समारोह के पूर्व मुमुक्षुओं ने साध्वी स्वागतश्री के दर्शन कर आशीर्वचन प्राप्त किए। साध्वीश्री स्वागतश्री ने संयम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस संसार की जन्म मरण की दुखों से मुक्त होने का एकमात्र मार्ग संयमी जीवन है। पांच महाव्रत स्वीकार कर आप दोनों, आत्मा से परमात्मा बनने के मार्ग पर आगे बढ़ने वाले हैं। साध्वीश्री ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सभी मुमुक्षु वीर सिंह के समान उत्साह से महाव्रत स्वीकार करने जा रहे हैं। आप संयम स्वीकार करने के पश्चात सम्यक रूप से चारित्र पालन करना। संयम जीवन में कभी भी किसी भी कठिनाई से विचलित नहीं होना और सिंह की तरह दृढ़तापूर्वक संयम का पालन करना।

तत्पश्चात संघ द्वारा आयोजित मुमुक्षु सम्मान समारोह में समता महिला मंडल की सदस्याओं द्वारा मंगलाचरण एवं संयम गीत की प्रस्तुति से समारोह का शुभारंभ हुआ। मुमुक्षु रेखा सोमावत ने कहा कि संसार दुखों का सागर है। जब संसार की असारता का ज्ञान हो जाए और पांच महाव्रतों का सम्यक बोध पाकर अगर व्यक्ति संयम स्वीकार करता है और उसका सम्यक रूप से पालन करता है तो वह शीघ्र ही संसार के जन्म, जरा, रोग, मरण आदि समस्त दुःखों से मुक्त होकर परमात्म स्वरूप को प्राप्त कर लेता है। मुमुक्षुओं का सम्मान साधुमार्गी जैन संघ के अध्यक्ष सुंदरलाल सिपानी, मंत्री महावीरचंद चोपड़ा, महत्तम महोत्सव के राष्ट्रीय संयोजक किशोरकुमार कर्णावट, गोड़वाड़ जैन भवन के चेयरमैन कुमारपाल सिसोदिया, समता महिला मंडल की अध्यक्ष सरिता खिंवसरा, मंत्री मोनिका रांका, कोषाध्यक्ष प्रियंका कोठारी, समता युवा संघ के अध्यक्ष हर्षुल सोनी, मंत्री मोहित रांका ने किया।

आंध्र प्रदेश शराब घोटाले के आरोपी बालाजी गोविंदप्पा को मैसूरु से गिरफ्तार किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु/ अमरावती। आंध्र प्रदेश की पूर्ववर्ती युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) सरकार के दौरान कथित रूप से हुए 3,200 करोड़ रुपये के शराब घोटाले के आरोपों की जांच के लिए गठित राज्य पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) ने एक आरोपी बालाजी गोविंदप्पा को मंगलवार को मैसूरु से गिरफ्तार किया। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। गोविंदप्पा इस मामले के कई आरोपियों में से एक है।

अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए कहा, गोविंदप्पा को आज मैसूरु से गिरफ्तार कर लिया। वह भारती सीमेंट प्राइवेट लिमिटेड में कार्यकारी निदेशक है।

एक सूत्र ने बताया कि एसआईटी अधिकारियों ने तीन दिन पहले हैदराबाद में गोविंदप्पा के आवास पर छापा मारा था, जिसके बाद आज उसकी गिरफ्तारी हुई।

हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित शराब घोटाले के संबंध में धनशोधन का एक मामला दर्ज किया है। ईडी का मामला राज्य पुलिस की आर्थिक अपराध सीआईडी द्वारा सितंबर 2024 में दर्ज की गई प्राथमिकी पर आधारित है। कथित शराब घोटाले के मुख्य आरोपी के. राजा शेखर रेड्डी की हालिया रिमांड रिपोर्ट में एसआईटी ने कई लोगों को नामजद किया हैं, जिन्होंने कथित तौर पर 2019 से 2024 के बीच अहम भूमिका निभायी थी।

नामजद लोगों में वासुदेव रेड्डी, सत्य प्रसाद, राजमपेट सांसद पी वी मिथुन रेड्डी, पूर्व वाईएसआरसीपी सांसद वी. विजयसाई रेड्डी, एस. श्रीधर रेड्डी, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी धनुंजय रेड्डी, कृष्ण मोहन रेड्डी और गोविंदप्पा शामिल हैं। जा रहा है और अलर्ट मलयालम और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में जारी किए जाएंगे, ताकि किसी प्रकार की देरी न हो।

पूर्णिमा पर बसवनगुड़ी में दादा गुरुदेव की भक्ति की बही रसधारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्री जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में श्री जिनदत्तकुशलसूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल द्वारा पूर्णिमा व मुनिश्री मुकुलप्रभसागरजी के पांचवें संयम वर्ष में प्रवेश के उपलक्ष्य में गुरुदेव की भक्ति का कार्यक्रम आयोजित किया। मंडल के महामंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि संगीतकार सनी रांका, नितेश बोहरा, जीतू झाबक, मनन बोहरा, निष्ठा बोहरा आदि ने गुरुदेव व परमात्मपा को समर्पित गीत गाकर उपस्थितजनों को नाचने-झूमने पर मजबूर कर दिया। पूर्णिमा के दिवस ही दादावाड़ी में विराजित मुनिश्री मुकुलप्रभसागरजी का पंचम दीक्षा प्रवेश वर्ष था, उपस्थित सभी सदस्य व श्रद्धालुओं ने मुनिश्री को शुभकामनाएं देते हुए आशीर्वाद लिया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.

Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.